तापमान

अधिकतम-46°C

न्यूनतम-33°C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की परियोजनाओं के 30 जून तक जारी करें टेंडर 3

जम्मू आतंकी हमले के विरोध में विहिप-बजरंगदल ने फूंका पुतला 4

वर्ष : 10 अंक : 73 प्रयागराज, गुरुवार 13 जून 2024 www.prayagdarpan.live हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण के दौरान पूर्व राज्यपाल पर भड़के अमित शाह, सरेआम लगाई फटकार

अमरावती। तेलगू देशम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू ने आज आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली। इसी बीच मंच पर एक ऐसी घटना घटी जिसकी अब हर तरफचर्चाएं हो रही हैं। एन चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा नेता और तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन पर किसी बात को लेकर भड़क गए और उन्हें चेतावनी देते हुए नजर आए।

फटकार लगाने वाला यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर विवाद और अटकलों को जन्म दे रहा है

कैमरे में कैद हुई इस संक्षिप्त बातचीत में तमिलसाई अमित शाह का अभिवादन करती हुई दिखाई देती है, लेकिन अमित शाह उसे वापस बुलाते हैं और उन्हें कुछ कहते हैं। जबकि पूर्व उपराष्ट्रपति यह सब देखते रहते हैं। सौंदरराजन ने सिर हिलाकर सहमति दिखाई, लेकिन इसके बाद अमित शाह का आवभाव बदल गया। वीडियो देखने पर कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने तमिलिसाई को चेतावनी दी है। कुछ लोगों ने इस घटना को तमिलनाडु भाजपा के भीतर चल रही अंदरूनी कलह से जोड़ा है, खासकर राज्य अध्यक्ष के अन्नामलाई और तमिलसाई सुंदरराजन के समर्थकों के बीच। इस विवाद ने तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का ध्यान खींचा है। डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने एक्स से कहा, यह किस तरह की राजनीति है? क्या तमिलनाडु की एक प्रमुख महिला राजनेता को सार्वजनिक रूप से फ्टकारना शिष्टाचार है? अमित शाह को पता होना चाहिए कि हर कोई इसे देखेगा। यह बहुत गलत उदाहरण है!एआईएडीएमके नेता और पूर्व राज्य मंत्री एसपी वेलुमणि ने उच्च-दांव वाले चुनावों से पहले भाजपा के साथ पार्टी के विभाजन के लिए सीधे तौर पर अन्नामलाई को जिम्मेदार ठहराया। तमिलसाई, जिन्होंने चेन्नई दक्षिण सीट से चुनाव लड़ा और हार गई, ने भी इस दृष्टिकोण का समर्थन किया कि यदि गठबंधन जारी रहता तो भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन 35 सीटें तक जीत सकता था। उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में चुनाव में हार के लिए अन्नामलाई पर कटाक्ष भी किया। यह अन्नामलाई के समर्थकों को पसंद नहीं आया, जिन्होंने ऑनलाइन तमिलसाई की निंदा की। उनके समर्थकों ने भी यही किया और सोशल मीडिया पर एक भयंकर टकराव शुरू हो गया। तमिलिसाई सौंदरराजन ने अभी तक वीडियो क्लिप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जो एक गरमागरम बहस का विषय बन गया है।

आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए नायडू आक्रामक कदम उठाए: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने तेलुगु देशम पार्टी के नेता एन चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बीच बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह दक्षिण भारत के इस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि जब तक नायडू इस मुद्दे को आक्रामक ढंग से नहीं उठाएंगे, तब तक यह उम्मीद कम ही है कि प्रधानमंत्री कुछ कदम उठाएंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मैंने एक भाषण, सात साल पहले राज्यसभा में 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के वादे को पूरा करने में मोदी सरकार की विफ्लता के बारे में दिया था। दुर्भाग्य से, यह आज भी सच है। जब तक नायडू इस मुद्दे को आक्रामक ढंग से नहीं उठाते, इस बात की उम्मीद कम ही है कि प्रधानमंत्री कुछ कदम उठाएंगे।उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि क्या वह आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे जैसा कि उन्होंने मार्च 2014 में पवित्र शहर तिरूपति में वादा किया था? रमेश ने सवाल किया, क्या वह पोलावरम बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के लिए लंबित धनराशि जारी करेंगे? क्या वह विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के निजीकरण को रोकेंगे जिसका बीड़ा उनकी सरकार ने उठाया है? कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से यह सवाल भी किया, क्या वह आखिरकार एपी पुनर्गठन अधिनियम में की गई विभिन्न प्रतिबद्धताओं को मंजूरी देंगे- जिसमें कडपा स्टील प्लांट, दुग्गीराजुपट्टनम बंदरगाह, काकीनाडा पेट्रो कॉम्प्लेक्स और राज्य के लिए एक कृषि विश्वविद्यालय शामिल है-जिसको लेकर वह दस साल से अपने पैर पीछे खींच रहे हैं।

अरुणाचल के नए मुख्यमंत्री गुरुवार को लेंगे शपथ

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में गुरुवार को नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। शपथ ग्रहण समारोह कल ईटानगर में राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने बुधवार को कहा कि नए मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद् पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष की मौजूदगी में सुबह 11 बजे शपथ लेंगे। इस बीच बुधवार शाम तक श्री नड्डा, श्री शाह और श्री संतोष के ईटानगर पहुंचने की उम्मीद है। भाजपा विधायक दल (बीएलपी) की बैठक पार्टी के दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों-रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ की उपस्थिति में औपचारिक रूप से नए नेता का चुनाव करने के लिए आज अपराह्न में होगी।उन्होंने कहा कि नए बीएलपी नेता राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक के समक्ष दावा पेश करेंगे। ऐसी उम्मीद जतायी जा रही है कि मौजूदा मुख्यमंत्री पेमा खांडू अपना पद बरकरार रखेंगे। भाजपा ने हाल के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल कर 60 सदस्यीय सदन में 46 सीटें हासिल कर अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। विपक्षी कांग्रेस ने 2019 के चुनावों में चार सीटें जीतीं और हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव 2024 में 19 सीटों में से सिर्फएक सीट पर जीत हासिल करने में कामयाब रही। भाजपा के नेतृत्व वाले एनईडीए के घटक नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को पांच सीटें मिलीं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तीन और पीपुल्स पार्टी ऑफअरुणाचल (पीपीए) को दो सीटें मिलीं। गत 19 अप्रैल को हुये चुनाव में तीन निर्दलीय भी विजयी हुए, जिसके नतीजे 02 जून को घोषित किए गए थे।

पीएम मोदी के करिश्मे और अभियान का बहुत कम प्रभाव पड़ा, चुनाव जीतने पर बोले गौरव गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा चुनाव में असम के जोरहाट से अपनी शानदार जीत के कारणों का उल्लेख करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से 'ए प्लस (सर्वोत्तम) स्तर के विरोधी प्रचार की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें 'बी-माइनस (निम्न) स्तर के प्रचार अभियान का ही सामना करना पड़ा। उनका यह भी दावा है कि जोरहाट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे और अभियान का बहुत कम प्रभाव पड़ा। गोगोई ने नए परिसीमन के बाद पुनगर्ठित निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के तपन गोगोई के खिलाफ 1.44 लाख मतों के अंतर से जीतकर अपने प्रशंसकों और विरोधियों दोनों को आश्चर्यचकित कर दिया। गोगोई का कहना है कि मुश्किल माने जा रहे इस क्षेत्र में उन्हें प्रचार अभियान और जनसंपर्क के लिए सिर्फएक महीने का समय मिल पाया था। असम की 14 लोकसभा सीट में से कांग्रेस पार्टी को केवल 3 सीट मिली हैं जिनमें जोरहाट भी एक है। भाजपा ने 9 सीट जीती हैं। समाचार एजेंसी मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में गोगोई ने कहा कि लोगों को राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर भाजपा शासन के खिलाफअपना गुस्सा व्यक्त करने के लिए कांग्रेस में एक विश्वसनीय मंच मिला। उनका कहना था, ''असम में मैंने भाजपा द्वारा बहुत ही निराशाजनक और कमजोर प्रचार अभियान देखा। मैं भाजपा से बहुत अधिक सशक्त, सार्थक, प्रभावशाली अभियान की उम्मीद कर रहा था और मेरी योजना भी उसी के मुताबिक बनी थी। मैंने 'ए-प्लस वाली भाजपा को ध्यान में रखकर योजना बनाई थी लेकिन मेरा सामना 'बी-माइनस प्रचार अभियान से हुआ। गोगोई ने कहा कि उन्होंने मोदी का प्रभाव नहीं देखा, हालांकि प्रधानमंत्री ने चुनाव के दौरान दो बार जोरहाट का दौरा किया था। उनके मुताबिक, ''मुझे इस बात पर बेहद आश्चर्य हुआ कि (भाजपा की तरफसे) एक भी मुद्दा ऐसा नहीं था जो लोगों को पसंद आए। कांग्रेस नेता ने कहा, ''पिछले दो चुनावों में यह काफी अलग था। 2014 में असम के लोग गुजरात मॉडल के बारे में बात कर रहे थे और 2019 में वे (राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े) उन घटनाक्रमों से प्रभावित हुए और उनका चुनाव पर असर हुआ। उन्होंने कहा, ''लेकिन 2024 में यह एक बहुत ही स्थानीय चुनाव था। लोग स्थानीय मुद्दों, राज्य के मुद्दों को देख रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी और उनके अभियान का कोई प्रत्यक्ष, ठोस असर नहीं था। गोगोई का कहना था कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में भाजपा सरकार के खिलाफअसंतोष था तथा यह असंतोष असम एवं केंद्र सरकार दोनों के खिलाफ था। गोगोई ने कहा कि कई कारणों से जोरहाट भाजपा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी अपनी राजनीतिक योजनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण चुनाव था। उनके अनुसार, ''हमारी जीत के कई महत्वपूर्ण कारण हैं।

खबरें एक नजर में

जवाहरलाल नेहरू के बाद जितनी भी कांग्रेस की सरकारें बनी वह सहानुभूति पर बनी, राहुल गांधी के बयान पर सम्राट चौधरी का पलटवार

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस नेता राहुल के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर मेरी बहन प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो-तीन लाख वोट से हार जाते। सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें इस ब्बात का ध्यान रखना चाहिए कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद जितनी भी कांग्रेस की सरकारें बनी वह सहानुभूति पर बनी है। सम्राट चौधरी ने कहा कि इंदिरा गांधी की हत्या हुई तो उनके पिता राजीव गांधी की सरकार बन पाई। राजीव गांधी की हत्या हुई तो सहानुभूति के आधार पर उन्हें वोट मिले थे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सिर्फऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो विकास के नाम पर लोगों से वोट ले पाए हैं। पीएम मोदी के विकास, आरक्षण के मॉडल को इस देश के लोगों ने 293 सीटें देकर जीताने का काम किया। रोहिणी आचार्य के आज फ्रि सिंगापुर लौटने पर सम्राट चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि मुझे मालूम था कि वह वापस लौट जाएंगी... लौटना ही था इन्हें। मेरी बहन है, मेरी सलाह होगी उनको सारण की जनता के बीच रहकर काम कर लेती।वही, समीक्षा बैठक को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि इस चुनाव में जहां बीजेपी कमजोर हुई, उन चीजों पर समीक्षा हुई प्रदेश पदाधिकारी के साथ। 100 में से 75 प्रतिशत बीजेपी को जनता ने अंक दिया है। हम 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करना चाहते हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में हम अपना अंक बढ़ाना चाहते हैं जो इस चुनाव में कम मिला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का नेतृत्व हमें मंजूर है। 1996 से उनके साथ हम लोग मिलकर काम कर रहे हैं और आने वाले समय में भी उनके नेतृत्व में मिलकर बिहार में काम करेंगे।

आंध्र प्रदेश के नये कैबिनेट में 17 नये चेहरे शामिल

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के नये मंत्रिमंडल में 17 नये चेहरे शामिल किये गये हैं जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। मनोनीत मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ चर्चा के बाद बुधवार को 24 कैबिनेट मंत्रियों के नामों की घोषणा की। नये मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं हैं, जबकि आठ मंत्री पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं। इनमें चार कापू, चार कम्मा, तीन रेड्डी, दो एससी, एक एसटी, एक मुस्लिम और एक वैश्य समुदाय से हैं। नये मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों में नारा लोकेश, पवन कल्याण, किंजरापु अच्चेन्नायडू, कोल्लू रवींद्र, नादेंदला मनोहर, पी नारायण, श्रीमती वंगालापुडी अनिता, सत्य कुमार यादव, निम्माला राम नायडू, एनएमडी फारूक, अनम रामनारायण रेड्डी, पय्यावुला केसव, अनगनी सत्य प्रसाद, कोलुसु पार्थसारधि, डोला बलवीरंजनेया स्वामी, गोट्टीपति रवि कुमार, कंडुला दुर्गेश, श्रीमती गुम्माडी संध्यारानी, बीसी जरधन रेड्डी, टीजी भारत, श्रीमती एस सविता, वासमसेट्टी सुभाष, कोंडापल्ली श्रीनिवास और मंडीपल्ली राम प्रसाद रेड्डी शामिल हैं।

जम्मू के हीरानगर में दो वरिष्ठ पुलिसकर्मियों के वाहनों पर आतंकवादियों ने की गोलीबारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर इलाके में बुधवार को आतंकवादियों ने दो पुलिस वाहनों पर गोलीबारी की। दो अलग-अलग वाहनों में दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सवार थे। हालांकि दोनों अधिकारी सुरक्षित बच गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने जिले के हीरानगर इलाके में छुप कर डीआईजी (जम्मू-कठुआ-सांबा) रेंज डॉ. सुनील कुमार और एसएसपी (कठुआ) अनायत चौधरी के वाहनों पर गोलीबारी की। दोनों वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षित बाल-बाल बच गए। बताया गया है कि आतंकवादियों ने कथित तौर पर उनके वाहनों पर 20 से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। इससे पहले, कठुआ में ही हुई एक मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया था और सीआरपीएफ का एक कांस्टेबल शहीद हो गया था। बाकी आतंकवादी अभी भी फ्रार हैं। आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ी भेजी गई है।

मंत्रिमंडल में विभागों को लेकर बयानबाजी पर भड़के उपेंद्र कुशवाहा, कहा-सभी मंत्रालय महत्वपूर्ण

पटना। केंद्रीय मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को लेकर हो रही बयानबाजी को लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने नाराजगी जाहिर करते हुए बुधवार को कहा कि सभी मंत्रालय महत्वपूर्ण हैं। बस, काम करने की दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा के साथ कुछ कर गुजरने की दृष्टि होनी चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार के मंत्रियों के बीच विभागों के वितरण को लेकर मीडिया में अनावश्यक बहस चलाई जा रही है। आदमी को हमेशा सकारात्मक सोचना चाहिए। किसी भी क्षेत्र में प्रगति की यह प्रथम शर्त है। उन्होंने अपने अधिकारिक एक्स पर लिखा, आखिर क्या चाहिए बिहार को? अच्छी शिक्षा और अच्छा स्वास्थ्य के अलावा, किसानों के घर खुशहाली और नौजवानों के हाथों को काम। किसानों को उनकी फसल का लाभकारी मूल्य और नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण विभाग किस के पास है? बिहार के मंत्रियों के पास।उन्होंने आगे लिखा कि खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय चिराग पासवान के पास, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय जीतन राम मांझी के पास और पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय ललन सिंह के पास है। गिरिराज सिंह के कपड़ा मंत्रालय के माध्यम से भी बड़ी संख्या में रोजगार पैदा किया जा सकता है। राम नाथ ठाकुर के माध्यम से कृषि मंत्रालय और राजभूषण निषाद के माध्यम से जल शक्ति मंत्रालय में भी हमारी दखलअंदाजी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या ऐसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का बिहार के पास होना एक अवसर नहीं है हमारे लिए? जहां तक शिक्षा और स्वास्थ्य का सवाल है। इन दोनों विषयों में मुख्य जवाबदेही का कार्यक्षेत्र राज्य की सरकार के पास है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले से डटे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों से आग्रह किया है कि चुनाव खत्म हो चुका है। केंद्र में काम करने वाली सरकार बन चुकी है। हम सब मिलकर बहस के बजाय सकारात्मक हो कर बिहार की प्रगति की चिंता में लगें। टांग खिंचाई की जगह सहयोगात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा, क्या आपने टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने टैंकर माफिया के खिलाफकार्रवाई न करने के लिए बुधवार को दिल्ली सरकार को फ्टकार लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट कम करने के लिए वह दिल्ली पुलिस को कार्रवाई का निर्देश दे सकता है। न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने दिल्ली सरकार से पूछा, ष्यदि हिमाचल प्रदेश से पानी आ रहा है तो वह दिल्ली में कहां जा रहा है? क्या आपने इन टैंकर माफिया के खिलाफकोई कार्रवाई की है। खबरें आ रही हैं कि दिल्ली में टैंकर माफिया सक्रिय हैं और पानी पर उनका कब्जा है, और आप उन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। यदि आप कोई कार्रवाई नहीं करते हैं तो हम टैंकर माफिया पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस को सौंप देंगे। इस पीठ में न्यायमूर्ति पी.बी. वराले भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि जब जलापूर्ति की पाइप लाइनें सूखी हैं तो टैंकरों से पानी की आपूर्ति कैसे की जा रही है। पीठ ने कहा, यदि हर साल गर्मियों में पानी का संकट रहता है तो आपने यमुना से आने वाले पानी की बर्बादी रोकने के लिए क्या किया है? मई-जून 2023 से अप्रैल 2024 के बीच किये गये उपायों के बारे में हलफ्नामा दायर करें। किसी टैंकर माफ्यिा या पानी के अवैध परिवहन पर कोई एफ्आईआर दर्ज कराई हो? दिल्ली सरकार के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि दिल्ली जल बोर्ड टैंकरों से पानी की आपूर्ति करता है और मीडिया में जो विजुअल आ रहे हैं उनमें ज्यादातर गरीब घरों में जल बोर्ड के टैंकरों से पानी की आपूर्ति के हैं। उन्होंने कहा, हम आज ही तथ्य फाइल कर देंगे। बड़े पैमाने पर कनेक्शन काटने समेत कई कदम उठाये गये हैं। पुलिस कार्रवाई करती है तो हमें बेहद खुशी होगी।सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने उसके जलाशयों में अतिरिक्त पानी होने का झूठा दावा करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार से भी सवाल किया।उसने हिमाचल प्रदेश सरकार का पक्ष रख रहे महाधिवक्ता से कहा, ष्यदि आप पानी छोड़ रहे हैं तो इसके बारे में अपर यमुना रिवर बोर्ड को जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है? उस दिन आपके अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि यह दस्तावेज (137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी होने के बारे में) बोर्ड के समक्ष रखा गया है।

निर्मला सीतारमण ने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए वित्त मंत्रालय का कार्यभार बुधवार को संभाल लिया। वह जल्द ही वित्त वर्ष 2025 के लिए अंतिम बजट पेश करेंगी जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता तथा विकसित भारत की दिशा तय करेगा। नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में वित्त सचिव टी. वी. सोमनाथन और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने सीतारमण का स्वागत किया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी इस दौरान मौजूद थे। चौधरी ने मंगलवार की शाम को पदभार ग्रहण किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, कार्यभार संभालने के बाद वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री को विभिन्न विभागों के सचिवों द्वारा मौजूदा नीतिगत मुद्दों की जानकारी दी गई। सीतारमण ने कहा कि सरकार अपने नागरिकों के ''जीवन की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में आगे भी कदम उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि 2014 से किए गए सुधार जारी रहेंगे, जिससे भारत व्यापक आर्थिक स्थिरता तथा वृद्धि हासिल करेगा। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के बीच हाल के वर्षों में भारत की सराहनीय वृद्धि गाथा को रेखांकित किया और कहा कि आने वाले वर्षों के लिए आर्थिक दृष्टिकोण आशावादी है। उन्होंने विभागों से राजग सरकार के विकास एजेंडे को नए जोश के साथ आगे बढ़ाने तथा प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए उत्तरदायी नीति निर्माण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि सरकार ' सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास में विश्वास रखती है। उन्होंने मजबूत तथा जीवंत अर्थव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत के लोगों, नियामकों और नागरिकों सहित सभी हितधारकों से निरंतर समर्थन व सहयोग का आह्वान किया। सीतारमण लगातार सातवां बजट और लगातार छठा पूर्ण बजट पेश करके एक रिकॉर्ड बनाएंगी। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट अगले महीने, नवगठित 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं।

गडकरी ने सड़क परिवहन मंत्रालय में कार्यभार किया ग्रहण

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लगातार तीसरी बार कैबिनेट मंत्री के रूप में बुधवार को मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन पर फ्रि जो विश्वास जताया है उसके लिए वह उनका आभार व्यक्त करते हैं। श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में श्री गडकरी ने जब तीसरी बार सड़क परिवहन एवं राजमहल मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया तो इस दौरान उनके साथ मंत्रालय में राज्य मंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद थे। श्री गडकरी ने सोशल मीडिया एक्स पर खुद यह जानकारी पोस्ट करते हुए कहा माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मोदी 3.0 में यह भूमिका फ्रि से सौंपने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मुझे विश्वास है श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत भारत त्वरित गति से विश्व स्तरीय, आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित होगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से छात्र नेता के रूप में राजनीति में आये श्री गडकरी जल्द ही भाजपा जनता युवा मोर्चा में सक्रिय हो गए। साल 1989 में महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य बने श्री गडकरी 1999-2005 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता रहे और फ्रि 2009 तक महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बने।

सरकार से दरकार

गठबंधन धर्म की जरूरतों के मुताबिक, नरेंद्र मोदी सरकार की तीसरी पारी का जंबो मंत्रिमंडल अपरिहार्य था। जाहिरा तौर पर मंत्रिमंडल के गठन में अनुभव,युवा, जातीय समीकरण, गठबंधन के दायित्व और आगामी विधानसभा चुनाव की प्राथमिकताएं स्पष्ट नजर आती हैं। जिसके चलते तीस कैबिनेट मंत्रियों को ताजपोशी हुई है। बहत्तर सदस्यीय मंत्रिमंडल में तीस कैबिनेट मंत्रियों में बिहार को तरजीह देना स्वाभाविक ही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू गठबंधन में एक बड़ा सहयोगी घटक है। वहीं मंत्रिमंडल में बड़े घटक टीडीपी व जद (सेक्यूलर) की भी उपस्थिति है। उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरण गड़बड़ाने के बाद चालीस से अधिक ओबीसी, एससी व अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मध्यप्रदेश, हरियाणा व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री भी मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। दरअसल, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भी इन राज्यों के ज्यादा मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर पंजाब में तेरह सीटों में एक भी प्रत्याशी के सफल न होने के बावजूद 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नया युवा नेतृत्व तैयार करने की कवायद शुरू की गई है। पूर्व कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को मंत्रिमंडल में शामिल करना इसी रणनीति का हिस्सा है। कह सकते हैं कि मंत्रिमंडल के गठन में संवेदनशील ढंग से रणनीति को अंजाम दिया गया। विश्वास किया जाना चाहिए कि लंबे चले चुनाव प्रचार अभियान में जो राजनीतिक व सामाजिक तौर पर कथित बांटने की कवायद वोटों के लिए की गई, उस पर अब विराम लगना ही चाहिए। आशा करें कि नई सरकार कार्यभार संभालने के बाद विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएगी। जब हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात करते हैं तो पहली शर्त यही होगी कि कथित तौर पर विभाजनकारी राजनीति से परहेज करके सिर्फ और सिर्फ विकास के मुद्दे पर सरकार अपना ध्यान केंद्रित करे। आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति पर विराम लगाकर मिलजुलकर देश को नई दिशा देने का प्रयास होना चाहिए। बहरहाल, अब कहा जा रहा है कि आजादी के बाद यह दूसरा अवसर है जब पं. नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार भाजपा नीत सरकार बनी है। ऐसे कहने का अर्थ है कि सरकार की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। तब तुलना यह भी की जाएगी कि किस सरकार के कार्यकाल में हकीकत के धरातल पर ज्यादा विकास हुआ। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की निगाहें लगी हैं। गठबंधन सरकार को पिछली सरकारों से बेहतर प्रदर्शन करके भी दिखाना होगा। राजग सरकार को स्वीकारना होगा कि यह एक गठबंधन सरकार है। यूं तो पिछली सरकार में भी राजग गठबंधन अस्तित्व में था, लेकिन इस बार पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण भाजपा की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ गई है। जिसके चलते मोदी सरकार के लिये पिछले कार्यकाल की तरह पार्टी के एजेंडे को लागू करने में खुला हाथ न मिलेगा। जाहिर है कि भाजपा को कई महत्वाकांक्षी मुद्दों मसलन 'एक देश, एक चुनाव' व यूनिफॉर्म सिविल कोड आदि के क्रियान्वयन को ठंडे बस्ते में डालना पड़ सकता है। गठबंधन की मजबूरी के साथ ही सरकार को अपेक्षाकृत ज्यादा मजबूत विपक्ष से सामना करना पड़ेगा। निस्संदेह, शासन-प्रशासन का नरेंद्र मोदी के पास लंबा अनुभव है, लेकिन इस बार लचीलेपन का भी सहारा लेना पड़ेगा। हालांकि, राजग में नेतृत्व तय करने व मंत्रिमंडल गठन में सहयोगी दलों का बड़ा दबाव नजर नहीं आया, लेकिन भविष्य की चुनौतियों से इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, विकास कार्यो को गति देने में सरकार को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। वैसे भी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू विकास के लिये प्रतिबद्ध मुख्यमंत्रियों के रूप में याद किये जाते हैं। कोशिश हो कि राजनीतिक विरोधियों को भी साथ लेकर चला जाए ताकि संसद के पिछले कार्यकाल में पैदा हुआ गतिरोध फिर से न दोहराया जाए। बहरहाल, अब चाहे देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात हो या फिर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की बात, यह काम गठबंधन के सहयोगी दलों व व विपक्ष के साथ बेहतर सामंजस्य के साथ ही संभव हो सकता है। विकास के बड़े लक्ष्यों को हासिल करने से पहले देश में बेरोजगारी कम करने व समतामूलक विकास की स्थापना मोदी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

भाड़े का राज्य

लोकतंत्र और मानवाधिकारों को महत्व देने वाले सभी लोगों को पिछले महीने बहुत खुशी हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने प्रबीर पुरकायस्थ को जेल से रिहा करने का आदेश दिया और गौतम नवलखा को भी जमानत दे दी। हालांकि, मेरे लिए यह खुशी एक साथ हुए घटनाक्रम से पूरी तरह हैरान करने वाली थी; वह यह कि सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा से कहा कि वह पिछले महीनों के दौरान उनकी सुरक्षा पर हुए खर्च को कवर करने के लिए राज्य को 20 लाख रुपये का भुगतान करें, जब वह चिकित्सा आधार पर घर में नजरबंद थे। बेशक, यह राज्य के अभियोजकों द्वारा मांगी गई राशि से बहुत कम थी; लेकिन उनके द्वारा किसी भी मुआवजे का भुगतानकिए जाने का विचार ही विचित्र है। चिकित्सा आधार पर घर में नजरबंद करना राज्य द्वारा कैदी पर किया गया कोई एहसान नहीं है; इस पर अदालत में तीखे तरीके से बहस होती है और विशेषज्ञ चिकित्सा राय के आधार पर केवल तभी अनुमति दी जाती है जब इसे बिल्कुल आवश्यक माना जाता है। अगर यह एक एहसान होता और राज्य विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुआवजा चाहता, तो यह कमोडिटी एक्सचेंज के समान होता आप मुझे पैसे दें, मैं आपके लिए विशेष व्यवस्था करूंगा; यह फिर भी विचित्र होता, लेकिन कम से कम कमोडिटी एक्सचेंज के तर्क का हवाला तो दिया ही जा सकता था। लेकिन मेडिकल आधार पर घर में नजरबंद करना राज्य द्वारा किसी पर किया गया उपकार नहीं है। इसलिए ऐसे मामले में की गई विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिए कैदी से मुआवजा मांगना पूरी तरह से अक्षम्य है।सिद्धांत रूप में यह किसी व्यक्ति को कैद करने और उसी व्यक्ति से उसे कैद करने पर हुए खर्च की मांग करने से अलग नहीं है; मामले की विचित्रता तब और बढ़ जाती है जब हम यह विचार करते हैं कि उस व्यक्ति को दोषी भी नहीं ठहराया गया है, बल्कि वह केवल मुकदमे का इंतजार कर रहा है। यह राज्य द्वारा सड़क पर किसी भी व्यक्ति को उठाकर, उसे अनिश्चित काल के लिए जेल में डालने और उस व्यक्ति से ही इस कारावास पर हुए खर्च की वसूली करने के बराबर है!यहां दो और सिद्धांत बिंदु ध्यान देने योग्य हैं। पहला, मेडिकल आधार पर घर में नजरबंद रहने की अवधि के दौरान की गई विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिए किसी व्यक्ति से शुल्क लेना संविधान में निहित 'कानून के समक्ष समानता' के मूल सिद्धांत का उल्लंघन है। इसका मतलब यह है कि दो कैदियों के बीच जो एक ही तरह की परेशानी से पीड़ित हैं, उन्हें ऐसी छूट मिलनी चाहिए, जबकि अमीर व्यक्ति जो इसे वहन कर सकता है, उसे यह मिल जाएगी, जबकि गरीब व्यक्ति जो ऐसा नहीं कर सकता, उसे यह नहीं मिल पाएगी; इस प्रकार बाद वाले को भेदभाव का सामना करना पड़ता है। निःसंदेह मुझे गरीब कैदियों के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में बताया जाएगा जो ऐसी स्थितियों का ख्याल रखती हैं, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि किसी कैदी को पूरी सहायता मिलेगी; इसलिए भेदभाव और कानून के समक्ष समानता का अभाव बना हुआ है।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में गठबंधन राजनीति की लगाम

कल्याणी शंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन सरकार ने अभी-अभी कार्यभार संभाला है, और यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी कि यह कैसा प्रदर्शन करेगी, यहां तक कि यह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी भी या नहीं। यह सर्वविदित है कि भारत में बहुदलीय सरकारों का इतिहास गड़बड़ा गया है। दिवंगत भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने भी 1998 से 2004 तक 24 दलों के गठबंधन को चलाया था। गठबंधन सरकारों के साथ भारत का अनुभव कुछ हद तक उथल-पुथल भरा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरा कार्यकाल जीता है, जो एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि भी है। लेकिन भाजपा को स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए आवश्यक 272सीटों में से केवल 240 सीटें ही मिलीं। मोदी अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अन्य दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी सरकार का भविष्य इन सहयोगियों पर निर्भर करता है और मोदी इतने चतुर राजनीतिज्ञ हैं कि उनसे यह उम्मीद नहीं कि वह परिस्थिति की उनसे क्या अपेक्षा है को न समझ पायें। एनडीए दक्षिणपंथी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र-दक्षिणपंथी पार्टियों का गठबंधन है। हाल के चुनावों में सहयोगियों ने 53 सीटें -हासिल कीं, जिससे एनडीए की कुल सीटें 283 हो गई, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक संख्या से 21 अधिक हैं। मोदी के लिए यह एक नयी स्थिति है। एक ऐसे नेता के रूप में जो सत्ता को केंद्रीकृत करने में विश्वास करता है, गठबंधन सरकार बनाना मोदी के अधिकार को चुनौती देता है।यह उनके राजनीतिक एजेंडे की दिशा को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से उन नीतियों पर अधिक जोर दिया जा सकता है जो केवल भाजपा के एजेंडे के अनुकूल होने के बजाय विभिन्न गठबंधन भागीदारों को आकर्षित करती हैं। एनडीए गठबंधन सरकार के गठन से प्राथमिकताओं में बदलाव हो सकता है।गठबंधन की नीतियों पर अधिक जोर दिया जा सकता है और मोदी के धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे में संभावित रूप से नरमी लाई जा सकती है। इसका भारत के राजनीतिक और सामाजिक ताने-बाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो अब अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, से उम्मीद की जाती है कि वे आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक कल्याण पर अपनी नीतियों को जारी रखेंगे। फिर भी, उन्हें एक विविधतापूर्ण गठबंधन को संभालने की अतिरिक्त चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। गठबंधन सहयोगियों से निपटना और संसद चलाना मुश्किल हो सकता है क्योंकि उन्हें अधिक प्रभावशाली और आधिकारिक विपक्ष का सामना करना पड़ रहा है। अपने तीसरे कार्यकाल में, मोदी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके अधिकार की सीमा के बारे में सवाल हैं, खासकर तब जब भाजपा ने अपना बहुमत खो दिया है। नयी राजनीतिक गतिशीलता उभरी है, जिसमें पार्टी के प्राथमिक एनडीए सहयोगी अब सत्तारूढ़ गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस बदलाव को क्षेत्रीय राजनीतिक गतिशीलता सहित विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। पहली बड़ी बाधा सरकार बनाना था, जिसके लिए उन्हें गठबंधन की राजनीति की जटिलताओं को समझना था। अपनी मुखर और स्वतंत्र राजनीतिक शैली को जारी रखने में समय और प्रयास लग सकता है। अगला कदम अपने सहयोगियों के लिए संतोषजनक विभागों का आवंटन करना है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों ही कठिन वार्ताकार हैं और महत्वपूर्ण विभागों की मांग करेंगे। छोटे सहयोगी भी प्रमुख मंत्रालयों की देखरेख करके सरकार की नीतियों और निर्णयों को आकार देने में अपना प्रभाव दिखायेंगे।मुख्य बात एनडीए को साथ रखना है। अफवाहों के अनुसार, इंडिया गठबंधन जेडी(यू) और टीडीपी को अपने पाले में लाना चाहता था और अपनी सरकार बनाना चाहता था। यह चाल विफल रही, लेकिन इससे राजनीतिक ताकतों का फिर से गठबंधन हो सकता है, जिससे गठबंधन के भीतर सत्ता का संतुलन बिगड़ सकता है। मोदी के एनडीए सहयोगी वफादार रहेंगे या उनके शासन को कमजोर करेंगे, यह अटकलों और लाखों डॉलर के सवाल के दायरे में है। प्रमुख सहयोगियों की अविश्वसनीयता के इतिहास में निहित अनिश्चितता पर नजर रखने की जरूरत है। पिछले दशक में टीडीपी, शिवसेना, एआईएडीएमके और अकाली दल जैसे भाजपा के कुछ प्रमुख सहयोगियों ने अपनी साझेदारी समाप्त कर दी थी। 2018 मेंटीडीपी ने गठबंधन छोड़ दिया क्योंकि आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी का दर्जा नहीं मिला था। अब टीडीपी और जेडी(यू) फिर से भाजपा के साथ हैं। मोदी को इस बात का ध्यान रखना होगा कि तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) अलग-थलग न पड़ जायें। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, जिनके पास 28 सीटें हैं, श्किंगमेकरश् हैं। वे लंबे समय से अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग करते रहे हैं और अपने फिसलन भरे चरित्र के लिए जाने जाते हैं। नीतीश कुमार, जिन्हें उनके लगातार पलटी मारने के कारण पलटू कुमार के नाम से जाना जाता है, ने 2014 में भाजपा द्वारा मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के मुद्दे पर भाजपा के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर ली थी। बाद में वे एनडीए में शामिल हो गये और 2022 में फिर से भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ सरकार बना ली। इस साल वे फिर से एनडीए में लौट आये हैं। गठबंधन की राजनीति और कमजोर जनादेश के कारण सरकार की महत्वाकांक्षी सुधार योजनाओं के लिए कानून पारित करने में समय और प्रयास लग सकता है। बहुमत न होने के बावजूद, विपक्ष के पास संसदीय समितियों में विवादास्पद विधेयकों को पारित होने से रोकने के लिए पर्याप्त सदस्य होंगे। इसका मतलब है कि भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ाने की मोदी की क्षमता को चुनौती दी जायेगी। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसी महत्वपूर्ण नीतियों को चुनौती दी जा सकती है। नीति-निर्माण की गति धीमी हो सकती है और सरकार के सुधार चार्ट पर पुनर्विचार हो सकता है। राजनीतिक गठबंधनों में बदलाव आश्चर्यजनक नहीं होगा। मोदी अगले दो या तीन वर्षों में अपनी अल्पमत सरकार को बहुमत में बदलने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। लेकिन, शुरू में, सत्ता संतुलन के लिए यह एक कठिन काम होगा।

अमन और सद्भाव सबसे बड़ी जरूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत हो चुकी है। शपथग्रहण के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी हो गया है, जिसमें कोई बड़ा फेरबदल नहीं हुआ है। गृह, रक्षा, विदेश, वित्त और रेल मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग अब भी उन्हीं मंत्रियों के पास हैं, जिनके पास पिछली बार थे। जबकि इस बार सरकार का गठन जिस तरह जदयू और तेदेपा के साथ मिलकर हुआ है, उसमें कयास लगाए जा रहे थे कि ये दल अपने लिए महत्वपूर्ण विभाग मांग सकते हैं। अब संभवतरू लोकसभा अध्यक्ष को लेकर कोई बड़ा फैसला देखने मिले। लेकिन पुराने मंत्रियों को नयी सरकार में वही विभाग देकर नरेन्द्र मोदी ने यह संदेश देने की कोशिश शायद की है कि उनकी कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं आने वाला है। जिस तरह पिछली दो सरकारें उन्होंने चलाई, इस बार भी वैसे ही चलाएंगे। अपने इस मंसूबे में वे कितने कामयाब होते हैं और क्या उनके गठबंधन के बाकी साथी उनकी कार्यशैली को सहजता से स्वीकार करते हैं, यह आने वाले वक्त में पता चलेगा। लेकिन देश के जो मौजूदा हालात हैं, उन्हें देखकर प्रधानमंत्री को यह सलाह दी जा सकती है कि वे कम से कम अब घटनाओं और स्थितियों की उपेक्षा करने या अपनी राजनैतिक सुविधा-असुविधा से ऊपर उठकर आम जनत के हित को देखते हुए आवश्यकतानुसार कार्रवाई करें।जिस दिन प्रधानमंत्री शपथ ले रहे थे, उसी दौरान जम्मू-कश्मीर में एक आतंकी हमला हुआ।

वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं को इस बार निशाने पर लिया गया। ऐसी किसी भी घटना की फौरन निंदा होनी चाहिए और मृतकों, घायलों की जाति, धर्म को न देखकर सभी के लिए संवेदना जताई जानी चाहिए। मगर कुछ लोगों ने इसमें भी राजनीति करने की कोशिश की। सोशल मीडिया पर इस घटना के बहाने घृणा फैलाने के प्रयास दिखने लगे। इधर मणिपुर में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सोमवार को जिरीबाम जा रहे पुलिस काफिले पर घात लगाकर हमला किया। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह घटना मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के जिले के दौरे से ठीक पहले हुई है। अमूमन शांत रहने वाले जिरीबाम जिले में पिछले हफ्ते से तनाव बढ़ रहा है। इसलिए बीरेन सिंह वहां का दौरा करने वाले थे, तभी यह हमला हुआ। इसके बाद से मणिपुर में फिर से जातीय तनाव तेज होने की आशंका जतलाई जा रही है। वैसे भी एक साल से अधिक वक्त से मणिपुर अशांत है। कुकी और मैतेई समूहों के बीच हुए हिंसक संघर्ष में मानवता ने पूरी तरह से दम तोड़ दिया है। ऐसे में प्रधानमंत्री से सहज अपेक्षा थी कि वे कम से कम एक बार इस अशांत प्रदेश में जाते और अमन कायम करने की कोशिश करते। लेकिन श्री मोदी ने इस ओर निराश ही किया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह भी स्थितियों को संभालने में नाकाम रहे हैं, फिर भी पद पर बने ही हुए हैं। एक बार आधे-अधूरे तरीके से इस्तीफे की पेशकश उन्होंने की, लेकिन इससे राज्य में शांति बहाली नहीं हुई। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी इस मामले में बड़ा बयान देते हुए एक तरह से नयी सरकार को नसीहत दी है।

नागपुर में संघ के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि श्मणिपुर में शांति का इंतजार करते हुए एक साल हो गया है। पिछले 10 सालों से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानक राज्य में फिर से बंदूक संस्कृति बढ़ गई। ऐसा लगता था कि पुरानी बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है। वहां अचानक कलह उपज गया या उपजाया गया, उसकी आग में अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है और उस पर ध्यान नहीं है? प्राथमिकता देकर इस पर विचार करना हमारा कर्तव्य है। यहां हमारा से आशय निश्चित ही केंद्र सरकार से है। हमारा कहकर संघ प्रमुख ने बता दिया कि भाजपा अब भी उन्हीं की है, अब भाजपा संघ को कितना अपना मानती है और कितना नहीं, यह जे पी नड्डा ही बता सकते हैं। बहरहाल, संघ प्रमुख की नसीहत बिल्कुल सही है। बंदूक संस्कृति या जातीय, सांप्रदायिक हिंसा के लिए कहीं भी जगह नहीं होनी चाहिए। अगर आग लगे तो उसे फौरन शांत करने के उपाय होने चाहिए। ऐसा नहीं होने पर कितने गंभीर परिणाम होते हैं, मणिपुर इसका ज्वलंत उदाहरण है। अशांति की चिंगारी इस वक्त छत्तीसगढ़ में भी भड़की है। यहां के बलौदाबाजार में एक उग्र प्रदर्शन में कलेक्टर और एसपी के दफ्तरों में ही आग लगा दी गई, इसके अलावा सौ से ज्यादा गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता को भी आतंकित किया गया। हालात ऐसे बन गए कि अब यहां धारा 144 लागू करनी पड़ रही है। दरअसल 15-16 मई की आधी रात को अज्ञात लोगों ने सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब पांच किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस प्रशासन ने इस पर तत्काल कार्रवाई भी शुरु कर दी, लेकिन सतनामी समाज के लोग इससे संतुष्ट नहीं हुए। 9 जून को गृहमंत्री ने न्यायिक जांच के आदेश भी दिए और 10 जून को सतनामी समाज के लोगों ने दशहरा मैदान में प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी। लेकिन इस दिन अप्रत्याशित रूप से कम से कम 5 हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई और उसके बाद अविचारित हिंसा और तोड़-फोड़ का ऐसा आलम हुआ कि इस राज्य के लोग हतप्रभ हैं।छत्तीसगढ़ नक्सल समस्या से तो ग्रस्त रहा है, लेकिन सांप्रदायिक, जातीय उन्माद के लिए यहां कोई जगह नहीं रही।

पिछली भूपेश सरकार के वक्त साजा के बीरनपुर गांव में भुवनेश्वर साहू की हत्या और दो दिन बाद दो मुस्लिम युवकों की हत्या की सांप्रदायिक घटना हुई थी। इसके बाद अभी दो दिन पहले इसी राज्य के आरंग में मवेशी ले जाने वाले दो लोगों की भीड़ ने हत्या कर दी, जिसकी जांच के लिए सरकार ने एसआईटी का गठन कर दिया है। और अब बलौदाबाजार की घटना हो गई, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की है। राज्य सरकार तो अपने स्तर और क्षमता के अनुरूप काम कर ही रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में इस बात पर खास ध्यान देने की जरूरत है, जिन राज्यों में अब तक शांति बनी रहती थी, वहां इस तरह की घटनाएं क्यों होने लगी हैं। अमन और सद्भाव इस वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है।

आज का राशि फल

मेषः- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभः- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुनः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्कः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुलाः- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनुः- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कार्यों में आलस्य का त्याग करें।

मकरः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कार्यों की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मीनः- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

अविश्वास के साथ गठबन्धन धर्म को कैसे निभाएंगे मोदी

डॉ. दीपक पाचपोर

18वीं लोकसभा के लिये हुए चुनावों में जीत दर्ज कर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री तो बन गये हैं लेकिन वे पहली दो बार की तरह वैसा बड़ा जनादेश लेकर नहीं लौटे हैं। उनकी भारतीय जनता पार्टी के 2014 में 282 और 2019 में 303 सदस्य जीते थे। वैसे तो उन्हें बहुमत के बाद सहयोगी दलों यानी नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीए) के समर्थन की जरूरत ही नहीं थी परन्तु उन्होंने दोनों बार कुछ सदस्यों को मंत्री पद दिये थे। इस बार मजबूरी है। खुद की केवल 240 सीटें आने के बाद वे फिर से जो पीएम की गद्दी पर बैठे हैं तो वह आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 16 और बिहार के नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की टिकट पर जीते 12 सांसदों की बदौलत। बाकी सहयोगी पार्टियां इतनी कम सीटें लेकर आई हैं कि टीडीपी व जेडीयू के बिना उनका काम चल ही नहीं सकता। चूंकि दोनों दलों के साथ भाजपा के सम्बन्धों का अच्छा और बुरा दोनों ही दौर रहा है, सो लोग आश्चर्य कर रहे हैं कि ये साथ-साथ कैसे काम कर सकेंगे? ऐसे कयास भी लगाये जा रहे हैं कि आखिरकार यह सरकार कब तक चलेगी?सभी जानते हैं कि आज की भाजपा अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त का दल नहीं है जो कई-कई पार्टियों के साथ गठबन्धन कर सरकार चला चुकी है। गठबन्धन धर्म के मूल में परस्पर सम्मान व विश्वास होता है जो मोदी और उनके प्रमुख सिपहसालार यानी गृह मंत्री अमित शाह में नहीं है। जिनके साथ भाजपा हाथ मिलाती है, उसे अपने हाथों की उंगलियों को गिनना पड़ता है कि पूरी हैं या नहीं। महाराष्ट्र में शिवसेना, पंजाब में अकाली दल, रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी आदि उदाहरण हैं। अब मोदी-शाह का पाला बहुत सावधान दलों से पड़ा है- टीडीपी व जेडीयू। दोनों ही अपने अस्तित्व को लेकर सदैव सावधान एवं विस्तार के प्रति हमेशा उत्सुक रहती हैं।दोनों अच्छे मोल-भाव करने वाले हैं। जैसा सुलूक दूसरे दलों के साथ मोदी ने किया, वैसा इनके साथ करना मुश्किल होगा। दोनों में से किसी को भी महसूस हुआ कि भाजपा उसकी जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है तो उन्हें एनडीए को जय श्रीराम कहने में देर नहीं लगेगी। वैसे यह भी माना जा रहा है और जैसा सभी एक स्वर में कह रहे हैं कि जोड़-तोड़ कर सरकार बनाना तो एक बात है, उसे चलाना दूसरी बात। इसमें मुख्य रूप से आड़े आएगी मोदी की प्रवृत्ति। तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या दस साल से पीएम- मोदी किसी के साथ विचार-विमर्श की परम्परा का हिस्सा नहीं बने। विपक्षी दलों

की बात तो दूर है, अपने ही दल या यहां तक कि मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर उन्होंने कोई काम नहीं किया। ऐसे में सवाल यह उठाया जा रहा है कि इस बार क्या वे अपनी आदत बदलेंगे? फिर, उनकी अपनी पार्टी के मंत्री-सांसद तो यह तरीका स्वीकार कर चुके हैं और जो सहयोगी दल मोदी पर आश्रित हैं या जिनके कारण उनकी सरकार का कुछ बनता-बिगड़ता नहीं है, वे भी एनडीए को समर्थन देते रहेंगे। टीडीपी एवं जेडीयू सम्भवतः मोदी के इस रवैये को न तो पसंद करेंगे और न ही स्वीकार। उन्हें महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल न करने से ये दल सोच सकते हैं कि मोदी ने उन्हें एनडीए में शामिल तो कर लिया है लेकिन उन पर विश्वास नहीं किया जा रहा है।जहां तक मंत्रिमंडल के विकास सम्बन्धी जो कार्यकलाप होंगे उन पर तो सामान्य चर्चाओं में सभी घटक दल शामिल किये जा सकते हैं परन्तु ऐसे कुछ विषय जिन पर वैचारिक विभिन्नता है, उन पर अगर मोदी सरकार ने एकतरफा निर्णय लिये तो एनडीए में खटास पैदा हो सकती है। यहां फिर से मुख्य सन्दर्भ टीडीपी व जेडीयू का है। अल्पसंख्यकों एवं ओबीसी ही नहीं, भाजपा के एजेंडे से सम्बन्धित कोई भी निर्णय अब सम्भवतः एकतरफा नहीं लिया जा सकेगा। अहम विभाग खुद के पास और गैर महत्वपूर्ण विभागों को सहयोगी दलों को देकर भाजपा ने जतला दिया है कि वह अपनी पिछली सरकार के छोड़े गये कार्यों को ही आगे बढ़ायेगी, परन्तु उससे यह भी साफ हो जाता है कि भाजपा का अन्य किसी पर भरोसा नहीं है। इस बात का बड़ा शोर है कि जिस प्रकार से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए (1999-2004) सरकार में टीडीपी ने अपने सदस्य जीएमसी बालयोगी को लोकसभा अध्यक्ष बनवाया था, वैसा ही वह इस बार भी मांग करने जा रही है। दलबदल की स्थिति में अध्यक्ष की भूमिका एवं उसके फैसले बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। इसलिये इस पद के लिये खींचतान व मनमुटाव दोनों हो सकता है। दूसरी तरफ अमित शाह को फिर से गृह मंत्री बनाना यह बतलाता है कि श्ऑपरेशन लोटस्य जारी रहेगा। चूंकि भाजपा के लिये जरूरी है कि वह टीडीपी-जेडीयू के दबाव से मुक्त होने के लिये किसी भी तरह से अपने सदस्यों की संख्या को बहुमत के 272 के आंकड़े को छुए- वह पहले तो विपक्षी दलों के सदस्यों पर दबाव डालकर उन्हें अपने खेमे में लाने की कोशिश करेगी। इस प्रक्रिया में अगर उसने अपने किसी सहयोगी दलों को हाथ लगाया तो सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं।दृष्टिकोण एवं विमर्शों का टकराव एनडीए की प्रमुख पार्टी भाजपा एवं अन्य दलों के साथ लाजिमी है। खासकर टीडीपी व जेडीयू के साथ खटपट कई विषयों पर हो सकती है लेकिन अब की छोटे दलों का भी रवैया बदला हुआ सा हो सकता है। बहुमत के लिये जितनी बड़ी संख्या में (32) भाजपा को सदस्य जुटाने आवश्यक हैं, उन्हें यह साफदिख रहा है कि वह काफी कठिन है। वे यह भी जानते हैं कि सरकार बचाने के लिये एक-एक सदस्य का महत्व है। कई दल तो ऐसे हैं जो कम होने पर भी उनका दूसरे परिप्रेक्ष्य में महत्व है। मसलन हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के जीतन राम मांझी। अकेले जीतकर आने के बाद भी उन्हें इसलिये कैबिनेट पद दिया गया है क्योंकि एक बड़ा समुदाय उनके साथ जुड़ा हुआ है। जीतन राम के जरिये भाजपा को उस वर्ग का समर्थन सभी जगह मिल सकता है।बार-बार कहा जा रहा है कि गठबन्धन धर्म को निभाने के लिये जिस उदारता एवं लचीलेपन की जरूरत है, वह न तो मोदी में है और न ही भाजपा में। यदि मोदी लचीलापन दिखाते हैं तो उनके समर्थन इस रूप को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि उनके दिल में मोदी की छवि व स्वीकार्यता उनकी कठोरता के कारण ही है। इसी प्रकार भाजपा के उदार होने पर उसे अनेक उन विषयों को छोड़ना पड़ेगा जो उसकी विचारधारा की पहचान रही है। मुस्लिमों के लिये जिस तरह के कार्यक्रमों का टीडीपी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है, उन्हें तो वह लागू करेगी ही क्योंकि लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा चुनाव में टीडीपी को बहुत बड़ा जनादेश मिला है। यहां भाजपा ने उसके साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। हालांकि सरकार तो टीडीपी अकेली बना सकती है परन्तु भाजपा व एक अन्य सहयोगी दल जन सेना पार्टी भी प्रदेश सरकार में शामिल रहेगी। क्या ये फैसले भाजपा के समर्थकों को स्वीकार्य होंगे? ऐसे ही, जेडीयू जातिगत जनगणना की मांग करती आई है। उस मांग को वह भाजपा के दबाव में भी नहीं छोड़ेगी क्योंकि ऐसा करने पर उसे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नुकसान होगा।

हादसों का बुधवार, यूपी के 3 जिलों में 13 लोगों की मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 3 जिलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं, बहराइच में बुधवार तड़के छत पर सो रहे कुछ लोगों पर पड़ोस के मकान की जर्जर दीवार गिर गई, जिसके नीचे दबकर तीन बच्चों की मौत हो गई और दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। रामगांव थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि रामगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत भगवानपुर माफी गांव में रहने वाले रहीस अपनी पत्नी, बच्चों और 10 वर्षीय भांजे इमरान के साथ मंगलवार रात मकान की छत पर सो रहा था। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के करीब चार बजे पड़ोसी मोहम्मद हुसैन के घर की जर्जर दीवार छत पर सो रहे परिवार के ऊपर गिर गयी और सभी मलबे में दब गए। अधिकारी ने बताया कि गांव वालों की मदद से सभी को मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान रहीस के पुत्र गुफरान (पांच), पुत्री मिसबा (तीन) और भांजे इमरान (10) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल रहीस (35) व उनकी पत्नी शरीफुन निशा (30) का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, आज हरदोई जिले में हाईवे के किनारे झोपड़ी में रह रहे परिवार पर बालू लदा ट्रक पलट गया। इस हादसे में 4 मासूमों सहित 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद से पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार, घटना मल्लावां कस्बे में चुंगी संख्या 02 की है, जहां पर पर बल्ला कंजड़ अपने परिवार के साथ झोपड़ी डालकर रहता था। मंगलवार की रात रोजाना की तरह परिवार सड़क के किनारे सो रहा था। इसी बीच बुधवार को तड़के मेंहदीघाट कन्नौज की तरफ से हरदोई जा रहा बालू लदा ट्रक झोपड़ी के ऊपर पलट गया। परिवार पर बालू लदा ट्रक पलटने से पूरा परिवार उसके नीचे दब गया।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

उरई/जालौन। जालौन में मंगलवार देर रात को एक निमंत्रण समारोह में शिरकत करने पैदल जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही समारोह में पहुंचे उसके घर के लोग मौके पर पहुंचे। जिन्होंने पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिन्होंने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही वाहन चालक के बारे में पता लगाने का प्रयास शुरू कर दिया। घटना सिरसा कलार थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जखा बम्बे के पास की है। यहां मंगलवार की रात को ग्राम जखा का रहने वाला अतुल कुमार (18) पुत्र बिपिन कुमार जखा गांव के बंबे के समीप स्थित शिव धाम गेस्ट हाउस में एक निमंत्रण में शामिल होने पैदल जा रहा था। जब वह गेस्ट हाउस से पहले पड़ने वाले भाटिया के ट्यूब वेल के सामने पहुंचा। तभी जखा बंबी की तरफ से तेज रफ्तार और लापरवाही से फोर व्हीलर चला कर आ रहे चालक ने अतुल को टक्कर मार दी और घटना को अंजाम देने के बाद वह मौके से गाड़ी सहित भाग गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। जिन्होंने घायल अतुल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मगर रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने इस मामले की लिखित शिकायत थाने में दी है। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हादसे के बारे में थानाध्यक्ष ब्रजेश बहादुर सिंह ने बताया कि पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में तहरीर भी मिली है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि मृतक अतुल कुमार दो भाई हैं। अतुल कुमार अविवाहित था, उसकी मौत से मां विनीता और पिता बिपिन का रो-रोकर बुरा हाल है।

470 रूपये को लेकर किसान की पीट-पीटकर हत्या, जांच कर रही पुलिस

बहराइच। जिले के जोत चांदपारा गांव निवासी किसान को बकाया रूपया के लिए दुकानदार ने घर से बुलवाया। इसके बाद कहासुनी के दौरान लाठी डंडे और अन्य वस्तु से हमला कर दिया। इसके बाद गला दबा दिया। जिससे किसान की जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना की जानकारी से गांव में तनाव फैल गया। सीओ और थानाध्यक्ष ने मौके पर पहुंच कर जांच की है। हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जोत चांदपारा गांव निवासी पांचू उर्फ इब्राहीम (65) दौलत किसान थे। वह महाराजगंज बाजार में स्थित तेल व्यापारी लल्लू और भाई कल्लू की दुकान पर समान की खरीददारी करते थे। सामान की खरीददारी का 470 रूपये किसान बकाया था। इसको लेकर बुधवार सुबह दोनों ने किसान के घर एक व्यक्ति को भेजकर बकाया रूपये दुकान पर आकर देने की बात कही। जिस पर दोपहर में पांचू किराने की दुकान पर पहुंचा। इसी दौरान रूपये के लेनदेन को लेकर किसान और दुकानदार में विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान ही दुकानदार और अन्य ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद गला दबा दिया। किसान को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज शुरू होते ही मौत हो गई। इससे हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ अनिल कुमार सिंह और थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की परियोजनाओं के 30 जून तक जारी करें टेंडर

समय से कार्य पूर्ण न करने पर कार्यदायी संस्था पर लगेगा अर्थदण्ड:जयवीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति तथा स्वीकृत परियोजना के सापेक्ष जारी टेण्डर की स्थिति की समीक्षा करते हुये अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये गये है कि आदर्श आचार संहिता के समाप्त होने के बाद युद्ध स्तर पर कार्य शुरू हो जाने चाहिये। पर्यटन में रोजगार तथा आमदनी की अपार संभावनाये है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। इसको देखते हुये मुख्यमंत्री द्वारा 01 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को पूरा करने में पर्यटन विभाग अहम योगदान दे सकता है। 30 जून तक परियोजनाओं की निविदाएं जारी करा दी जाये। जो निर्माणाधीन परियोनजाएं है उसको तय समय में पूरा कर लिया जाये, समय से कार्य पूरा न करने वाले कार्यदायी संस्थाओं पर अर्थदण्ड लगाया जाये। पर्यटन मंत्री पर्यटन भवन गोमती नगर के सभागार में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होने कहा कि पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की परियोजनओं को समय से पूरा करने पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। लोगों को रोजगार के साथ ही विभिन्न सेक्टरों में कार्य कर रहे व्यवसायियों को इसका लाभ होगा। निर्माणाधीन परियोजानाओ की हकीकत जानने के लिये अधिकारी ग्राउण्ड जीरो पर जाकर नियमित निरीक्षण करे। पूरी हुयी परियोजनाओं का थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन कराया जाये। जनपदों में रामलीला मैदान की चार दीवारियों पर खूबसूरत म्यूरल एवं पेंटिंग करायी जाये जिससे आगन्तुकों को नयी अनुभूति प्राप्त हो सके। हरदोई के रामलीला मैदान में भवन निर्माण के अलावा एटा, कुशीनगर, प्रतापगढ, रायबरेली, बलिया, प्रयागराज, कन्नौज, लखनऊ में तीन, गोरखपुर, शाहजहाँपुर, मैनपुरी, बलरामपुर, वाराणसी आदि जनपदों में निर्माण कार्य तेजी से किये जा रहे है। विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा 2023-24 में स्वीकृत परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। कुछ परियोजनाओं प्रगति के अंतिम चरण में है तथा अधूरी परियोजनाओं पर शीघ्र पूरा करने के लिये टाइम लाइन दे दी गयी है। कार्य में उदासीनता अथवा रूचि न लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि समय से टेण्डर जारी कराये।

परिवार के लोगों पर गिरी जर्जर दीवार, दो बालकों की मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। जिले के भगवानपुर माफी गांव में छत पर सो रहे एक परिवार पर पड़ोसी की जर्जर दीवार गिर गई। हादसे में दंपती समेत पांच लोग घायल हो गए। मलबे से बाहर निकालकर सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन पुत्र और ग्रामीण के भांजे की मौत हो गई। दंपती और पुत्री की हालत गंभीर बनी हुई है। पुत्र और एक रिश्तेदार की मौत से कोहराम मच गया है। रामगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भगवानपुर माफी गांव निवासी रहीश पुत्र बदलू मंगलवार रात को अपने परिवार के लोगों के साथ सो रहे थे। रात तीन बजे से चार बजे के मध्य रहीश के पड़ोसी मोहम्मद हुसैन पुत्र इंसान की जर्जर दीवार छत पर सो रहे लोगों के ऊपर गिर गई। दीवार गिरने से रहीश (35), पत्नी शरीफुन निशा (30), पुत्र गुफरान (5), पुत्री मिसवा (3) और पढ़ने के लिए रह रहा रहीश का भांजा इमरान (10) पुत्र कलीम निवासी ग्राम दोबहा निवासी रिसिया बहराइच मलबे में दब गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हुए। प्रभारी निरीक्षक शशि कुमार राणा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को मलबे से बाहर निकाला गया। एंबुलेंस से सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां पर सुबह 4.30 बजे डॉक्टर ने गुफरान, रहीश के भांजा इमरान को मृत घोषित कर दिया। जबकि दंपती और पुत्री का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि दंपती और बेटी की भी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रभारी निरीक्षक शशि कुमार राणा ने बताया भगवानपुर माफी गांव निवासी रहीश और मोहम्मद हुसैन पुत्र इंसान का मकान आसपास है। मोहम्मद हुसैन का मकान दो मंजिला बना हुआ है। मकान पूरी तरह जर्जर है। जर्जर मकान की दीवार रहीश के छत पर गिरने के चलते हादसा हुआ है।

इंडिया गठबंधन को मिला असीम प्रेम और जनसमर्थन

भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य अंधकारमय: अजय

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय कहा कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश की चर्चा हो रही है। राहुल गांधी हर जगह यूपी की चर्चा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मोदी और एनडीए को भरोसा था और मोदी तथा भाजपा के नेता कहते थे कि 400 पार 80 में 80 उस दावे की प्रदेश की जनता ने हवा निकाल दी। ये कहते थे कि इस बार बनारस 10 लाख पर, बाबा काशी विश्वनाथ की नगरी की जनता ने उस दावे की भी हवा निकाल दी। इस प्रदेश की जनता का असीम प्रेम और जनसमर्थन इंडिया गठबंधन को मिला है। हम सब मिलकर इस प्रदेश एवं देश को बनाने का काम कर रहे हैं। मैं वाराणसी से चुनाव लड़ा, भरपूर सहयोग मिला। श्री राय ने कहा कि नौजवानों में हाहाकार मचा हुआ है। अभी हाल ही में आये नीट परीक्षा के परिणामों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों में घोर निराशा छा गई है। अब तक पेपर लीक, परीक्षाओं पर सवाल प्रदेश में उठते थे, अब ये बीमारी केन्द्र तक पहुंच गई है। भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है, बहुत सारे बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो गये। कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय के निर्देश पर पूरे प्रदेश की सभी विधानसभाओं में 11 जून से 15 जून तक कांग्रेस पार्टी धन्यवाद यात्रा निकालकर वहां की जनता का आभार व्यक्त करेगी। इस धन्यवाद यात्रा में पार्टी ने पत्र लिखकर इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को आमंत्रित किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महंगाई एक बार फिर जनता को परेशान कर रही है। अरहर दाल का मूल्य 200 पार हो गया है, आटा भी महंगा हो गया है। अब गेहूं भी बाहर से आयात करना पड़ेगा, एक बार फिर अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की कवायद शुरू हो गई है। अजय राय ने कहा कि यूपी में कई लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को चुनाव भाजपाई सत्ता के इशारे पर हराया गया जिसकी जांच होनी चाहिए।

बुखार से दो लोगों की मौत, 12 से अधिक भर्ती

बांदा। जिला अस्पताल में मंगलवार को बुखार से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, बुखार और डायरिया से ग्रसित 12 मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरका थाना क्षेत्र के पिंडारन गांव निवासी दयाशंकर (70) को तीन जून को रात साढ़े 10 बजे जिला अस्पताल में बुखार के चलते भर्ती कराया गया था, उसकी मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे मौत हो गई। इसी तरह से मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजीरा गांव निवासी राजा (45) को नौ जून को भर्ती कराया गया था। 10 जून को उनकी मौत हो गई थी।उधर, शहर के मढिय्यानाका मोहल्ला निवासी पूजा (25), अतर्रा निवासी भरत मिलन (45), सैमरी गांव निवासी बिंदी (60), बलखंडी नाका मोहल्ला निवासी रूही (2), मटौंध निवासी सुरेश (55), सहेवा गांव निवासी सतेंद्र (8), परई गांव निवासी दशरथ (19), कैरी गांव निवासी रनिया (60), भाथा गांव निवासी राकेश (40), सबादा गांव निवासी अब्दुल रहमान (68), खैराडा गांव निवासी रचना (23), इचौली गांव निवासी मुन्नी (50) को डायरिया व बुखार के चलते भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ ईएमओ डॉ. विनीत सचान ने बताया कि इन दिनों ट्रॉमा सेंटर में 100 से 150 डायरिया के मरीज के आ रहे हैं।

इण्डिया पोस्ट पेमेंट बैंक में 549 रूपये में होगा 10 लाख का दुर्घटना बीमा

लखनऊ। महंगे प्रीमियम पर बीमा करवाने में असमर्थ लोगों के लिए डाक विभाग का इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक एक विशेष दुर्घटना सुरक्षा बीमा लेकर आया है, जिसमें वर्ष में महज 549 और 749 रुपए के प्रीमियम के साथ लाभार्थी का क्रमशः 10 और 15 लाख रुपए का बीमा होगा। एक साल खत्म होने के बाद अगले साल यह बीमा रिन्यू करवाना होगा। इसके लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में लाभार्थी का खाता होना अनिवार्य है।पीएमजी वाराणसी कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक विभाग इसके लिए 13 जून को वाराणसी परिक्षेत्र के अधीन वाराणसी, भदोही, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया जिलों में विशेष अभियान चलायेगा। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरंस ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट के मध्य हुए एक एग्रीमेंट के तहत 18 से 65 वर्ष आयु के लोगों को यह निजी दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिलेगी। इसके तहत, दोनों प्रकार के बीमा कवर में दुर्घटना से मृत्यु, स्थाई या आंशिक पूर्ण अपंगता, अंग विच्छेद या पैरालाइज्ड होने पर क्रमशः 10 और 15 लाख रुपए का कवर मिलेगा। इस बीमा में दुर्घटना से हॉस्पिटल में भर्ती रहने के दौरान इलाज हेतु 60,000 रुपए तक का आई.पी.डी खर्च और ओ.पी.डी में 30,000 रुपए तक का क्लेम मिलेगा। इस बीमा में डॉक्टर से पोषण संबंधी सलाह एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए 4 परामर्श की सुविधा होगी।

जम्मू आतंकवादी हमले को लेकर हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन, कठोर एक्शन लेने की मांग

बहराइच। जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर जाते समय हुए आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को हिंदू संगठनों के लोगों ने प्रदर्शन किया। सभी ने सरकार से आतंकवादियों के विरुद्ध कड़े एक्शन लेने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद के अजय सिंह की अगुवाई में बुधवार को दर्जनों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। जम्मू कश्मीर में वैष्णों देवी कटरा से शिव खोड़ी जाते समय श्रद्धालुओं पर हुए आतंकी हमले से नाराज हिन्दू संगठनों ने आज धरना स्थल पहुंच कर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट स्थित धरना स्थल पर बड़ी संख्या में जुटे हिन्दू संगठनों के पदाधिकारियों ने जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बीते 9 तारीख को जम्मू कश्मीर के वैष्णों देवी कटरा से शिव खोड़ी जाते समय हिंदू श्रद्धालुओं की बस पर आतंकवादियों ने कायराना हमला किया। जिसमें 10 हिंदू तीर्थ यात्री की मौत हो गई। इस दौरान पदाधिकारी ने कहा कि जब से धारा 370 हटी है और देश में एक और मोदी सरकार शपथ ले रहे थे दूसरी ओर आतंकियों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया। जिससे साफ स्पष्ट होता है कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है, इसको लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि ऐसे आतंकवादियों पर कठोर कार्रवाई की जाए जिससे आने वाले समय में ऐसे हमले न कर सकें। प्रदर्शन के बाद सभी ने पीएम को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को दिया। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

खिड़की के सहारे घर में घुसे चोर, नकदी समेत पांच लाख से ज्यादा की चोरी को दिया अंजाम

बहराइच। ग्राम पंचायत फिरोजपुर निवासी ग्रामीण के मकान में खिड़की के रास्ते चोर घुस गए। चोरों ने डेढ़ लाख रूपये नकदी समेत पांच लाख से अधिक की संपत्ति की चोरी की। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया है। रानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत फिरोजपुर निवासी राजेश कुमार पाठक पुत्र पुत्तीलाल पाठक की रिश्तेदारी में मंगलवार को भंडारा कार्यक्रम था। जिस पर राजेश भंडारे में शामिल होने चले गए। जबकि भाई संतोष पाठक पुत्र अपने ससुराल बलरामपुर चले गए। घर पर मां और बहन समेत तीन महिलाएं थीं। गर्मी अधिक होने के चलते मां और बहन छत पर सो गई। देर रात को खिड़की के सहारे कमरे में चोर घुस गए। चोरों ने बक्से में रखा डेढ़ लाख रुपये नकदी, सोने और चांदी के जेवरात, बर्तन और कपड़े समेत पांच लाख की संपत्ति चोरी की। सुबह चोरी की जानकारी हुई तो दोनों भाई रिश्तेदारी से घर वापस आए। रानीपुर थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मौके की जांच की है। लेकिन चोरी का केस दर्ज नहीं किया है। थानाध्यक्ष आरती वर्मा ने बताया कि जांच के बाद केस दर्ज किया जायेगा।

परेशान किया तो भाइयों ने की हत्या, 10 जून को मिला था युवक का शव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। जनपद में युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। शव छोड़कर भागने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक पर एक लड़की को परेशान करने का आरोप है, जिससे तंग आकर युवती के दो भाइयों ने उसकी हत्या कर दी। छावनी थाना क्षेत्र स्थित लोकईपुर के पास एक शव मिला था। शव की शिनाख्त हरीश शुक्ला निवासी ग्राम बेलाड़े शुक्ल थाना हरैया के रूप में हुई थी। उसके पिता हरिवंश की तहरीर पर 10 जून को छावनी पुलिस ने केस दर्ज किया था। जांच में नाम सामने आने पर पुलिस ने छावनी थाना क्षेत्र के लोकईपुर निवासी दयावान शुक्ला, अंगद शुक्ला को गिरफ्तार किया है।पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। बताया कि हरीश शुक्ला उनकी बहन पर बुरी नजर रखता था और उसको धमकी देकर जबरदस्ती घर से बाहर बुलाता था। गांव में मेरी बहन की बड़ी बदनामी हो रही थी, जिससे हम लोग तंग आ गए थे। इसके बाद हरीश शुक्ला को जान से मार डालने का निश्चय कर लिया। 9 जून की रात में लगभग 10 बजे के करीब जब वह अपनी बाइक से कौवाडाड़ की तरफ से कच्चे रास्ते से ग्राम लोकईपुर की तरफ आ रहा था। हम लोग ग्राम लोकईपुर से बाहर निर्माणाधीन पानी की टंकी से कुछ दूरी पर सरपत के किनारे कच्चे रास्ते के पास छिपे बैठे थे। हरीश पहुंचा तो हम लोगों ने लोहे का पाइप लहराते हुए उसे रोक लिया और दोनों भाइयों ने मिलकर कई वार किए। इससे वह बाइक के साथ कच्चे रास्ते पर गिर पड़ा और हम लोग उस पर तब तक वार करते रहे जब तक वह मर नहीं गया। जब हमें भरोसा हो गया कि हरीश शुक्ला मर गया है तब अपने हाथ में लिए हुए पाइप को ग्राम चौखड़ी की सरहद पर उगी झाड़ी के बीच में छिपाकर रख दिया। इसके बाद अपने घर पर आकर सो गए। हत्यारों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसओ छावनी राजेश कुमार तिवारी, एसओजी प्रभारी जनार्दन प्रसाद, स्वाट टीम प्रभारी उमाशंकर त्रिपाठी, सर्विलांस सेल प्रभारी शशिकांत आदि शामिल रहे।

वकील से मारपीट में रेल कर्मचारी का तबादला

बांदा। अधिवक्ता के साथ मारपीट करने वाले रेल कर्मचारी का तबादला कर दिया गया है। उधर, वकीलों की शिकायत पर जीआरपी की संदिग्ध भूमिका को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नगर मजिस्ट्रेट को पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अशोक दीक्षित ने बताया कि एक जून को तत्काल टिकट काउंटर पर रेलवे कर्मचारी (प्वाइंट मैन) धीरेंद्र कुमार यादव ने अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद के साथ अभद्रता व मारपीट की। जीआरपी पुलिस ने रेलवे कर्मचारी के दबाव में समझौता कराकर मामला दबा दिया। शिकायत पर डीआरएम ने कार्रवाई करते हुए कर्मचारी का महोबा तबादला कर दिया है। उधर, वकीलों ने डीएम को ज्ञापन देकर कहा कि मामले में जीआरपी की भूमिका संदिग्ध थी। जन संपर्क अधिकारी मनोज कुमार का कहना है कि आरोपी रेल कर्मचारी का स्थानांतरण कर चार्जशीट दे दी गई।

सीएमएस छात्र को 80,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के छात्र प्रणय प्रताप सिंह को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की ट्रान्सिल्वेनिया यूनिवर्सिटी द्वारा 80,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। प्रणय को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. छात्र ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है। श्री खन्ना ने बताया कि प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 80 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक), मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.), स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी एवं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर आदि में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम रोशन किया है।

यूपी देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य

प्रदेश ने 10 जून को 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र को पीछे छोड़ा

यूपी में अधिकतम पीक मांग 29500 मेगावाट रही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने भीषण गर्मी में विद्युत की बढ़ी मांग को सकुशल पूरा करते हुए एक बार फिर से पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने का रिकार्ड बनाया है। प्रदेश में जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में प्रदेश का ऊर्जा विभाग मंत्री एके शर्मा के निर्देशन में नये आयाम स्थापित कर रहा है। विगत दिनों उत्तर प्रदेश ने 29500 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा करते हुए देश में कीर्तिमान स्थापित किया था। ग्रिड इंडिया पॉवर सप्लाई रिपोर्ट के मुताबिक 10 जून को एक बार फिर से उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वाधिक 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र-गुजरात जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है।ऊर्जा मंत्री के कुशल निर्देशन में ऊर्जा विभाग ने विद्युत मांग की चुनौती को सकुशल पूरा कर विगत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी नये रिकॉर्ड बना रहा है। दो वर्ष पहले तक यह रिकॉर्ड पूरे देश में महाराष्ट्र के नाम था। इस वर्ष 10 जून को जारी रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश ने 28889 मेगावाट, महाराष्ट्र ने 24254 मेगावाट, गुजरात ने 24131 मेगावाट, तमीलनाडु ने 16257 मेगावाट और राजस्थान ने 16781 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत अपूर्ति की मांग को पूरा किया है। उत्तर प्रदेश के विद्युत विभाग ने इस वर्ष भी पीक आवर में पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाया है। जो कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में कुशल प्रबंधन एवं बेहतरीन नेतृत्व की बदौलत ही यह सम्भव हो सका है, जिसकी प्रशंसा पूरे देश में हुई है। उत्तर प्रदेश में 28 मई को देश में सर्वाधिक 29282 मेगावाट की पीक डिमांड को पूरा किया था। वहीं महाराष्ट्र में 23 मई को सर्वाधिक पीक डिमांड 27517 मेगावाट थी, जबकि उत्तर प्रदेश में 28010 मेगावाट विद्युत की पीक डिमांड थी। पिछले तीन सप्ताह के दौरान प्रदेश में विद्युत की पीक मांग पर दृष्टि डालें तो 23 मई को 28010 मेगावाट, 24 मई को 29147 मेगावाट, 25 मई को 29215 मेगावाट, 26 मई को 29084 मेगावाट, 27 मई को 29261 मेगावाट, 28 मई को 29282 मेगावाट तथा 29 मई को 29077 मेगावाट विद्युत की पीक मांग को सकुशल पूरा किया गया और प्रदेशवासियों को प्रचंड गर्मी में विद्युत संकट का सामना नहीं करना पड़ा, जहां कहीं पर भी अतिभारिता व स्थानीय दोषों के कारण आपूर्ति में व्यवधान हुआ, उसे भी शीघ्र ही ठीक करने का प्रयास किया गया।प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत मांग के अनुपात में ही ऊर्जा विभाग अनवरत विद्युत आपूर्ति कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 4634 सबस्टेशन उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति करने का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। जहां कहीं पर भी विद्युत की मांग बढ़ी है वहां पर नये विद्युत उपकेंद्रों को स्थापित करने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने तथा विद्युत आपूर्ति की जर्जर व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ऊर्जा विभाग निरंतर युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के सभी विद्युत कार्मिको को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रचंड गर्मी में हमारे विद्युत कार्मिको ने विद्युत आपूर्ति बहाल रखने में अपना सर्वाधिक योगदान दिया है और उपभोक्ताओं को गर्मी में होने वाली परेशानियों से बचाया है। प्रदेश में अभी भीषण गर्मी और लू का संकट बना हुआ है, इसके लिए सभी विद्युत कार्मिक पूरे मनोयोग व सतर्कता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्य करते रहेंगे।

अखिलेश यादव ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा, अब करहल सीट पर होगा उपचुनाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है। अब करहल विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। वहीं, विधायकी छोड़ने के साथ अखिलेश ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। नेता प्रतिपक्ष को लेकर जल्द ही अखिलेश फैसला करेंगे। वहीं, फैजबाद लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद ने भी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। दअरसल, उन्होंने 2012 उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में मिल्ख्कीपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की थी। सूत्रों के मुताबिक,अखिलेश यादव पीडीए फॉर्मूले के तहत तीन नामों पर दांव लगा सकते हैं, जिनमें शिवपाल यादव, इंद्रजीत सरोज और कमाल फारुखी का नाम शामिल है। शिवपाल यादव ओबीसी तो इंद्रजीत सरोज दलित बिरादरी से आते हैं जबकि कमाल फारुखी मुस्लिम हैं। फिलहाल अब देखना होगा कि अखिलेश किसके नाम पर मुहर लगाते है।

जम्मू-कश्मीर में हुए हमले को कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने बताया केंद्र की विफलता

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर में तीन दिन में तीन बड़े आतंकी हमलों के बाद विपक्ष केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष इसे केंद्रीय खुफिया विभागों की विफलता बता रहा है। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने बुधवार को केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इन हमलों को भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का नतीजा बताया। सुरेंद्र राजपूत ने कहा, यह भारतीय जनता पार्टी की विफलता है। वह जम्मू-कश्मीर में स्थिति को नियंत्रित कर पाने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। इसकी पूरी नैतिक जिम्मेदारी अगर किसी की बनती है, तो वह केंद्र की मोदी सरकार है।

मैं बार-बार कहता हूं और हमेशा ही कहता रहूंगा कि आतंकवाद पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी अगर सरकार बनाने के जश्न से बाहर निकल गई हो, तो मेरी गुजारिश है कि वह जम्मू-कश्मीर में सक्रिय सभी आतंकवादियों को नर्क में भेजे, ताकि वहां की जनता शांति से रह सके। अगर आज वहां लोग बेहाल हैं, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी किसी और की नहीं, बल्कि केंद्र की मोदी सरकार की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा,मैं भाजपा को हिदायत देना चाहता हूं कि देश जम्मू-कश्मीर में और खून-खराबा बर्दाश्त नहीं करना चाहता है। केंद्र सरकार हमारे सैनिकों को पूरी आजादी दे, ताकि वहां सक्रिय आतंकवादियों का समूल विनाश हो सके। भाजपा कश्मीरी पंडितों को लेकर जुमलेबाजी करना बंद करे और पाकिस्तान को करारा जवाब दे, ताकि आतंकवादियों को कब्र में भेजा जा सके। उन्होंने आगे कहा, ÷जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रहे आतंकी हमले सिर्फ सरकार की लापरवाही का नतीजा हैं। इस पर भाजपा को आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। इस सरकार ने दावा किया था कि उसने नोटबंदी करके आतंकवाद की कमर तोड़ दी है, पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। लेकिन अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है, उससे स्पष्ट है कि सरकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

मैं सरकार को यही हिदायत देना चाहता हूं कि वह जुमलेबाजी से बाहर निकलकर आतंकवादियों को करारा जवाब दे।

ग्रेनो प्राधिकरण की टीम और ग्रामीणों में पथराव, अतिक्रमण हटाने गई थी टीम, पत्थरबाजी में कई घायल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण हटाने के दौरान जमकर बवाल हुआ। अतिक्रमण हटाने के दौरान प्राधिकरण की टीम और ग्रामीणों के बीच में झड़प हो गई। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी भी हुई। इसमें प्राधिकरण के कई सुरक्षाकर्मी और ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। किसानों ने बिसरख थाने का घेराव किया और ग्रामीणों को घायल करने वालों के खिलाफकार्रवाई करने की मांग की। बुधवार को बिसरख थाना क्षेत्र में जमकर बवाल हुआ। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए इटेडा गांव गई, जहां पर 435 खसरा नम्बर पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा कर रखा था और प्राधिकरण की मुआवजा उठा हुई जमीन पर निर्माण करके दुकान बनी थी।प्राधिकरण की जमीन को कब्जा मुक्त करने के लिए, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की कार्रवाई की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची। इस दौरान बिसरख पुलिस और प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाकर दुकानों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर ग्रामीण पहुंच गए। प्राधिकरण की कार्रवाई का उन लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रामीण और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच जमकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कुछ ही देर में पथराव हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर झड़प हुई और दोनों तरफ से कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान इस प्रकरण में एक ग्रामीण के सिर में काफी चोट आई। साथ ही प्राधिकरण के तीन सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। इस प्रकरण में किसान के घायल होने पर किसान सभा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और उन्होंने बिसरख थाने का घेराव करना शुरू कर दिया। उन्होंने प्राधिकरण के कर्मचारियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के द्वारा जबरन आबादी की जमीन पर बनी हुई दुकानों को तोड़ा गया, जिसका किसानों ने विरोध किया।

अवैध निर्माण हटाने गई टीम लौटी बैरंग,किसानों ने जमकर किया विरोध

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण का अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी है। इस दौरान बुधवार को सर्किल-5 की टीम जेसीबी के साथ सर्फाबाद पहुंची। यहां खसरा संख्या 160 पर अवैध निर्माण था। जिसको हटाने के लिए प्राधिकरण की टीम वहां पहुंची। इसकी जानकारी भारतीय किसान यूनियन और अन्य संगठनों को लगी। जिसके बाद वो वहां पहुंच गए। किसानों ने प्राधिकरण टीम का विरोध किया। कहा सुनी और नोकझोंक के बाद प्राधिकरण की टीम वापस लौटना पड़ा। दरअसल प्राधिकरण द्वारा लगातार अभियान चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जा रहा है। अब तक प्राधिकरण करीब 2 लाख वर्गमीटर के आसपास जमीन का कब्जा मुक्त करा चुका है। इस जमीन की कीमत करीब 600 करोड़ के आसपास है। इसी क्रम में बुधवार को भी तीन जेसीबी और 50 कर्मियों के साथ टीम नोएडा सर्फाबाद पहुंची। यहां स्थानीय पुलिस और प्राधिकरण की पुलिस मौजूद थी।

जम्मू आतंकी हमले के विरोध में विहिप-बजरंगदल ने फूंका पुतला

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले का विरोध दोनों संगठनों ने आतंकवाद का पुतला फूंका। नारेबाजी करते हुए डीएम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने आतंकियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। सरकार से घाटी में आतंकियों पर शिकंजा कसने के लिए नए कानून बनाने और पिछले 72 घंटे में हुई वारदातों पर कड़ा रुख अपनाने की अपील की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। बुधवार को वाराणसी कलेक्ट्रेट पर विश्व हिंदू परिषद के कन्हैया लाल सिंह के नेतृत्व में कई कार्यकर्ता जुटे। पहले तो भगवा दल के कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद विरोधी नारेबाजी की। फिर एक कार्यकर्ता अपने साथ पुतला लेकर पहुंच गया। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने हाथ में पुतला उठाकर आतंकियों के साथ पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया। घाटी में आतंकवाद के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार बताते हुए केंद्र सरकार से पड़ोसी देश के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं जम्मू में आतंकियों को पनाह देने वाले और घुसपैठ में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई की बात कही। अध्यक्ष राजेश मिश्रा और सच्चिदानंद सिंह ने जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। आमजन से आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में शामिल होने की अपील की। बजरंग दल के विभाग संयोजक देवेश कुमार, प्रांत सह संयोजक मुकेश, सौरभ पांडे, सनी चौरसिया, सूर्या सेठ, शुभम सेठ, राजेश श्रीवास्तव, विकास, सुनील कश्यप, जिला मंत्री ग्रामीण पवन पाठक, धीरू सिंह, उमेश मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई कर फरियादियों की सुनी शिकायतें

प्रयागराज। दिनांक-12.06.2024 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

थाना बारा पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना बारा पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय जे0एम0 तृतीय इलाहाबाद द्वारा निर्गत मु0नं0 970/10 धारा 323/324/325/504/506 भा0द0वि0 से संबंधित अभियुक्त अमजद पुत्र रहीम निवासी गन्ने हर्रो थाना बारा जनपद प्रयागराज को दिनांक 11.06.2024 को ग्राम गन्ने हर्रो थाना क्षेत्र बारा से गिरफ्तार किया गया । नियमनुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्त का विवरण-अमजद पुत्र रहीम निवासी गन्ने हर्रो थाना बारा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 42 वर्ष । संबंधित वारण्ट का विवरण-मु0नं0 970/10 धारा 323/324/325/504/506 भा0द0वि0, माननीय न्यायालय जे0एम0 तृतीय इलाहाबाद।पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 अखिलेश कुमार थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.का0 महेश कुमार थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 महेश पाल थाना बारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक-12.06.2024 को मा0 ग्राम न्यायालय हण्डिया मजिस्ट्रेट प्रयागराज द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बन्धित केस नं0-1345/10 अ0सं0-64/10 धारा-279/323/142 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 02 वारण्टी अभियुक्त 1. विशाल उर्फ लालसाहब पुत्र कालीचरन 2. मुन्ना उर्फ प्रदीप वर्मा पुत्र सत्यनारायण निवासीगण ग्राम मुगरांव थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उनके निवास ग्राम मुगरांव के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्तों का विवरण-1. विशाल उर्फ लालसाहब पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम मुगरांव थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष । 2. मुन्ना उर्फ प्रदीप वर्मा पुत्र सत्यनारायण निवासी ग्राम मुगरांव थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 40 वर्ष ।सम्बन्धित वारण्ट का विवरण-केस नं0-1345/10 अ0सं0-64/10 धारा-279/323/142 भा0द0सं0 मा0 ग्राम न्यायालय हण्डिया मजिस्ट्रेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 बृजकिशोर गौतम, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 चन्द्रशेखर यादव, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 रितेश राय, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना फूलपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-104/2024 धारा-363/366/120(बी) व बढ़ोत्तरी धारा-376 भा0द0सं0 तथा 5/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त मो0 शफीक पुत्र मो0 शकील निवासी ग्राम शेखपुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक-12.06.2024 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत सब्जी मण्डी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-मो0 शफीक पुत्र मो0 शकील निवासी ग्राम शेखपुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-104/2024 धारा-363/366/120(बी) व बढ़ोत्तरी धारा-376 भा0द0सं0 तथा 5/6 पॉक्सो एक्ट थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 चन्दन सरोज, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. हे0का0 हीरालाल यादव, थाना फूलपुर, कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 पवन सोनी, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 02 अवैध देशी बम बरामद

प्रयागराज।थाना सिविल लाइन्स पुलिस द्वारा दिनांक 12.06.2024 को मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त सचिन कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी मुण्डेरा बाजार थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज को बलईपुर रेलवे कालोनी के पास थाना क्षेत्र सिविल लाइन्स से गिरफ्तार कर कब्जे से 02 अवैध देशी बम बरामद किये गये। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 218/2024 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण सचिन कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी मुण्डेरा बाजार थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज, उम्र लगभग 19 वर्ष।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 218/2024 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।बरामदगी का विवरण 02 अवैध देशी बम गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण -1.उ0नि0 अभय चन्द, थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.प्रशि0उ0नि0 रूपेश कुमार, थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 ब्रह्मजीत सिंह, थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 सन्दीप यादव, थाना सिविल लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज।

गंदगी फैलाने पर आगरा वालों ने 6 लाख जुर्माना भरा,5 महीने में 885 लोगों से वसूली

आगरा। आगरा नगर निगम के 100 वार्डों में पिछले 5 महीने में गंदगी फैलाने वालों से 6 लाख 84 हजार 850 रुपए वसूले गए हैं। सबसे ज्यादा जुर्माना मंटोला में लगाया गया है। सिर्फ मंटोला क्षेत्र से ही 2 लाख 45 हजार 700 रुपए जुर्माना वसूला गया। नगर निगम अब शहर में गंदगी फैलाने वालों पर कैमरों से नजर रखेगा। आगरा नगर निगम को 2023 में राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी पुरस्कारों में तीसरा स्थान मिला था। इस साल फरवरी में स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 की रिपोर्ट में आगरा नगर निगम को देश में 85वीं रैंकिंग मिली है। जबकि, पिछली बार के सर्वेक्षण में 23वां स्थान मिला था। यह स्थिति तब है जब नगर निगम लगातार गंदगी करने, कूड़ा जलाने, प्रतिबंधित पॉलिथीन के प्रयोग पर अभियान चला रहा है। नगर निगम खुले में शौच करने वालों पर भी कार्यवाही करता है। पिछले 5 महीने में 5 लोगों से 1000 रुपए जुर्माना वसूला है।

दलित से मारपीट-उत्पीड़न केस में आरोपी को मिली जमानत,28 साल पुराने केस में वारंट पर गिरफ्तारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में 28 वर्ष पहले खेत में गाय-भैंस घुस जाने की रंजिश को लेकर दलित युवक को मारने पीटने के मामले में आरोपित को कोर्ट से राहत मिल गई। प्रभारी विशेष न्यायाधीश (एससी,एसटी एक्ट) अभय कृष्ण तिवारी की अदालत ने अर्जुनपुर जंसा निवासी आरोपित घनश्याम दूबे की याचिका पर जमानत स्वीकार कर ली।जज ने 25-25 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विकास सिंह और अमनदीप सिंह व अखिलेश सिंह ने पक्ष रखा। अभियोजन ने कोर्ट को बताया कि जंसा थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासी शिवराज ने जंसा थाने में 26 जून 1999 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि वह शाम को 6 बजे अपने गाय-भैंस को चरा रहा था। उसी दौरान उसकी गाय-भैंस ग्राम पंचायत की एक बंजर जमीन में चली गई। अर्जुनपुर थाना जंसा निवासी घनश्याम दूबे आए और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गालियां देने लगे। आक्रोशित होकर कहा कि उनके खेत में क्यों गाय-भैंस चरा रहे हो। जब उसने गालियां देने से मना करते हुए उक्त भूमि के बंजर होने और ग्राम सभा की जमीन होने की बात कही तो उग्र हो गए। साथियों के साथ मिलकर नाराज होकर लाठी-डंडे से उसे मारने-पीटने लगे। शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किए। तब उसकी जान बची। पिटाई से उसे गंभीर चोटें आई। अस्पताल में इलाज कराने पर हालत में सुधार हुआ। इसी मामले में कोर्ट में हाजिर न होने पर अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। वारंट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपी ने कोर्ट में गुहार लगाई, जिस पर जज ने जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

स्टांप वेंडर लूटकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली; 3.69 लाख रुपये बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। सैनी कोतवाली पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार भोर मुठभेड़ के दौरान तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर स्टांप वेंडर के साथ हुई लाखों की लूट का खुलासा कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने लूट के 3.69 लाख रुपये भी बरामद करने का दावा किया है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से जख्मी एक बदमाश को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।सैनी कोतवाली के रमसहाईपुर निवासी केशव प्रसाद मालवीय मंझनपुर तहसील में स्टांप वेंडर हैं। सोमवार शाम भाई सुरेंद्र मालवीय के साथ बाइक से घर जाते समय रास्ते में नगिया मई मोड़ के पास सफेद रंग की कार सवार नकाबपोस बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया था। बैग में स्टांप बिक्री के 5.57 लाख रुपये के साथ ही कुछ कागजात भी थे। मुकदमा दर्ज कराने के बाद एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने पांच टीमें गठित कर घटना के खुलासे का निर्देश दिया। बुधवार को पत्रकार वार्ता कर एसपी ने बताया कि मंगलवार रात मधवामई के पास एसओजी, सैनी और मंझनपुर कोतवाली की संयुक्त टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक संदिग्ध कार आई। पुलिस को देख कार सवार लाइट बंद करके भागने का प्रयास करने लगे। इस पर घेराबंदी कर पुलिस ने कार में बैठे मो. समीर निवासी समदा थाना मंझनपुर, गौरव त्रिपाठी निवासी परसरा भरवारी व बादल मौर्य निवासी कृष्ण नगर करारी को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर पुलिस ने बदमाशों के पास से 1.95 लाख रुपया, दो तमंचा व चार करतूस बरामद किया। कोतवाली लाकर बरामद रुपये व तमंचा के बारे में सख्ती से पूछताछ करने पर युवकों ने 10 जून को नगियामई गांव के पास से रमसहाईपुर निवासी स्टांप वेंडर केशव मालवीय के साथ व 30 मई को मंझनपुर कोतवाली के कैनी मोड़ के पास महिला से हुई 49 हजार रुपये लूटने का जुर्म कुबूल किया। बताया कि लूटे गए बाकी रुपये सैनी कोतवाली के भड़ेहरी गांव स्थित जंगल में छिपाकर रखे गए हैं। भड़ेहरी जंगल पहुंचने पर समीर ने गड्ढे में छिपाए हुए बैग को उठाया और पहले से रखे तमंचे से फायरिंग करते हुए भागने लगा। पुलिस टीम ने बचाव में फायर किया तो समीर गिर पड़ा। पैर में गोली लगने से जख्मी समीर को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया है। बाकी दो आरोपियों का चालान न्यायालय कर दिया गया। एसपी ने पुलिस टीम को इस सफलता के लिए 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया है।

यहां चार साल में 50 फीसदी तक घटा हथियारों का कारोबार, एक साल में बंद हुई 4 दुकानें

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। एक वक्त था, जब हथियारों का कारोबार करने वाले दुकानों पर खरीदारों की लंबी लाइन लगा करती थी। भीड़ ज्यादा होने के कारण एक-एक ग्राहकों को दुकानों में प्रवेश दिया जाता था, लेकिन अब कारोबार इसके ठीक उलट हो गया है। पुलिस-प्रशासन स्तर से लाइसेंस नहीं मिलने से किसी के दुकानों पर एक माह तो, किसी पर चार-चार महीनों में सिर्फ एक ग्राहक आ रहा है।इससे परेशान होकर अधिकतर कारोबारी दुकानों को बंद कर किसी और धंधे में लग गए हैं। कारोबारियों ने बताया कि लाइसेंस अप्रूवल की कमी से पिछले चार सालों में प्रयागराज में पचास फीसदी तक हथियारों का कारोबार घट गया है।कारोबारियों ने बताया कि ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें आज भी रिवॉल्वर और राइफल रखने का शौक है, लेकिन उसके लिए लाइसेंस जरूरी है। बिना लाइसेंस के एक भी हथियार नहीं बेचा जा सकता है। लोग लाइसेंस के लिए जिला प्रशासन से लेकर पुलिस मुख्यालय के चक्कर काटते रहते हैं, लेकिन लाइसेंस नहीं अप्रूव किया जाता है। जब ग्राहकों के पास लाइसेंस ही नहीं रहेगा तो वह हमारी दुकानों में कैसे आ जाएगा। जॉनसेनगंज स्थित एसएन नियोगी कंपनी के पार्टनर एएन नियोगी ने बताया कि वर्ष 2020 से पहले जॉनसेनगंज समेत विभिन्न इलाकों में 42 गन हाउस हुआ करते थे, लेकिन अब इन्हीं सब कारणों से महज 22 दुकानें ही बची हुई हैं।एक साल में बंद हुई चार दुकानें एएन नियोगी बताते हैं कि उनकी दुकान वर्ष 1948 में खोली गई थी। शुरुआत के सालों में कारोबार अच्छा चलता था। राइफल और रिवॉल्वर खरीदने वाले वाले दुकानों के बाहर लाइनें लगाकर खड़े रहते थे, लेकिन वर्ष 2014 से कारोबार धीरे-धीरे कम होने लगा। हर साल हथियारों की ब्रिकी घटती चली गई। साल 2023 से अब तक चार दुकानें बंद हो गई। इनमें शाहगंज स्थित सूजन गन हाउस, कर्नलगंज स्थित विवेक गन हाउस, हीवेट रोड स्थित संजीव गन हाउस और लीडर स्थित जिया ट्रेडर्स शामिल हैं।लाइसेंस का रेट बढ़ना भी एक कारण पीएन विश्वास एंड कंपनी के मालिक वरुण डे बताते हैं, गन हाउस बंद होने की सबसे बड़ी वजह धारकों को लाइसेंस न मिलना तो है ही, साथ ही दुकानों को लाइसेंस का रेट बढ़ना भी एक कारण है। दुकानों पर ग्राहक आते नहीं हैं और जब लाइसेंस रिन्यूअल कराने की बात आती है तो पचास हजार फीस जमा करना होता है, जबकि पहले महज 1200 रुपये में लाइसेंस रिन्यूअल हो जाता था।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में जितनी भी बंदूक की दुकानें हैं, वह सिर्फ पुश्तैनी काम होने की वजह से चल रहा है। उनकी दुकान तो तीन पीढ़ियों से चल रही हैं, इसलिए इस कारोबार को नहीं बंद कर सकते हैं। ऐसे ही उनके जैसे अन्य कारोबारी भी जिनका काम पुश्तैनी है, वरना महीनों तक एक भी ग्राहक न आने पर इस कारोबार को कोई नहीं करना चाहता है। वहीं, कारोबारी वरुण डे बताते हैं कि कई दुकानदारों ने अपने दुकान पर एयर गन भी रखना शुरू कर दिया है, ताकि ग्राहक बने रहे।

आगरा में फिर मिले 2000 रुपए के नकली नोट

आगरा। आगरा में 6 दिन में दूसरी बार बैंक में नकली नोट मिले हैं। 6 दिन पहले एस बी आई की ब्रांच में मिले थे। अब पीएनबी के करेंसी चेस्ट में दो हजार और पांच सौ के 13 नोट नकली निकले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) के दावा प्रबंधक ने बैंक के कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज कराया है। नाई की मंडी थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र ने बताया कि आरबीआई के दावा अनुभाग के प्रबंधक आईपीएस गहलोत ने आगरा पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ से शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि नोट बंदी के दौरान कई बैंकों के करेंसी चेस्ट में नकली नोट जमा हुए हैं। फरवरी में एमजी रोड के पंजाब नेशनल बैंक से करेंसी चेस्ट आरबीआई में जमा कराया गया था। इसमें जांच करने पर दो हजार और पांच सौ के 13 नकली नोट मिले हैं। इस मामले में पहले रकाबगंज थाना में शिकायत की गई। नाई की मंडी थाना में अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। 6 दिन पहले छीपीटोला स्थित भारतीय स्टेट बैंक (ैठप्) की शाखा के करेंसी चेस्ट में से भी 2-2 हजार के 11 नकली नोट मिले थे। इस बैंक ने भी फरवरी में ही करेंसी चेस्ट आरबीआई में जमा कराया था।

वाराणसी पहुंचे अभिनेता राजकुमार,पत्नी पत्रलेखा संग बाबा विश्वनाथ का किया दर्शन पूजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में अपने फिल्म के शूटिंग के लिए पहुंचे अभिनेता राजकुमार राव ने पत्नी अभिनेत्री पत्रलेखा के साथ में बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन किया। मंदिर की भव्यता को देखकर दोनों मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने भगवान विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने राजकुमार के साथ सेल्फी भी ली। राजकुमार और पत्रलेखा ने भी लोगों के साथ हर-हर महादेव का जयघोष लगाया। सेलिब्रिटी को दर्शन कराने वाले पुजारी सचिन पाण्डेय ने कहा कि गर्भगृह में दोनों पति-पत्नी को दर्शन कराया गया। उन्होंने पूरी विश्वनाथ धाम का भ्रमण किया। उन्होंने मंदिर की भव्यता और दिव्यता को देखकर काफी खुशी जताई। वहीं मंदिर के अर्चकों ने उन्हें अंगवस्त्र और बाबा को चढ़ा हुआ माला फूल प्रसाद स्वरूप भेंट किया। मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राजकुमार के हाथ में कलावा बांधा। पुजारी सचिन ने बताया वाराणसी में अभिनेता राजकुमार के एक फिल्म की शूटिंग होने वाली है।

उसी का लोकेशन देखने के लिए वह वाराणसी पहुंचे हुए हैं। बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद अभिनेता राजकुमार ने कहा कि काशी में आने के बाद मन को बहुत शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि पिछली बार हम अपने फिल्म के प्रमोशन के लिए काशी पहुंचे थे, तो मां गंगा की आरती देखी थी। आज अपने एक फिल्म की शुरुआत के पहले हमने बाबा के धाम में दर्शन किया, मन काफी प्रसन्न हैं। हमने अपने पत्नी के साथ बाबा का दर्शन किया हैं।

आगरा में गाड़ियों पर स्टीकर लगाने वालों पर कार्रवाई,ट्रैफिक पुलिस ने जाति लिखे वाहनों के स्टीकर हटाए

आगरा। आगरा ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को शहर में बडे स्तर पर गाड़ियों पर पद और जाति लिखने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। चौराहों पर वाहनों को रोक कर हूटर, सायरन और शीशों पर चढ़ी काली फिल्में उतारी गई। पहले दिन पुलिस ने करीब 2450 वाहनों पर कार्रवाई की। आगरा ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार को एसीपी ट्रैफिक अरीब अहमद के नेतृत्व में चौराहों पर खड़ी गाड़ियों पर जाति और पद लिखने वालों को रोका गया। स्कूटर, बाइक और चार पहिया वाहन जिन पर पुलिस, उत्तर प्रदेश सरकार, जाट, यादव, ठाकुर या अन्य जाति सूचक शब्द लिखे थे, उन्हें हटाया गया।इसके अलावा जिन चार पहिया वाहनों के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थीं, उन्हें भी उतरवाया गया। हूटर और सायरन लगाकर चलने वालों के खिलाफभी कार्रवाई की गई। सबसे ज्यादा वाहनों पर पुलिस या पुलिस के साइन के स्टीकर मिले। उन्हें हटाया गया। भविष्य में दोबारा स्टीकर न लगाने की चेतावनी दी गई। एसीपी ने बताया कि अभियान लगातार चलेगा। लोगों से अपील है कि वो अपने वाहनों से इस तरह के स्टीकर खुद हटा लें। नंबर प्लेट पर केवल नंबर ही लिखें। अभियान के दौरान चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस को देखे बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पुलिस को देखकर रास्ता बदलते दिखे। ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की।

ऑनलाइन गेमिंग का झांसा... करोड़ों की ठगी, महादेव एप की तर्ज पर चूना लगाता था गिरोह; 12 पकड़े गए

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। महादेव बेटिंग एप की तर्ज पर ऑनलाइन गेमिंग का झांसा देकर करोड़ों की ठगी के खेल का भंडाफोड़ मंगलवार को हुआ। नैनी में अंतरराज्यीय गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल-लैपटॉप के साथ ही बड़ी संख्या में प्री एक्टिवेटेड सिम बरामद किए गए।यही नहीं, प्रयागराज पुलिस के इनपुट पर ही महाराजगंज व बिहार के गोपालगंज में भी गिरोह से जुड़े 28 लोगों को पकड़ा गया। गिरोह के यूपी हैंडलर व अन्य कुछ लोगों की तलाश जारी है।पुलिस को सूचना मिली थी कि नैनी के महेवा पट्टी में कुछ बाहरी लोग संदिग्ध गतिविधियों में जुटे हैं। इस पर डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के नेतृत्व में नैनी इंस्पेक्टर यशपाल शर्मा व एसओजी यमुनापार प्रभारी रणजीत सिंह ने सोमवार शाम महेवा पट्टी स्थित अपार्टमेंट के एक फ्लैट पर छापामारा। वहां कुल 12 लोग मिले। तलाशी में फ्लैट से पांच लैपटॉप, 42 मोबाइल फोन व 52 प्री एक्टिवेटेड सिम कार्ड मिले।एक रजिस्टर भी मिला, जिसमें करोड़ों के लेनदेन का लेखाजोखा था। थाने लाकर पूछताछ में खुलासा हुआ कि सभी ऑनलाइन गेमिंग का झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह महादेव एप की तर्ज पर ठगी करते हैं। ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर पहले वह लोगों को फंसाते हैं और फिर बड़ी धनराशि लगाने पर उनकी रकम हड़प कर जाते हैं।

ये हुए गिरफ्तार
1-सूरज चौरसिया निवासी पट्टी प्रतापगढ़
2-पीयूष यादव निवासी रायगंज कोतवाली गाजीपुर
3-घनश्याम वर्मा निवासी कोतवाली बिलासपुर
4-हिमांशु यादव निवासी कोतवाली गाजीपुर
5-मनीष निषाद निवासी डांडी, बालोद छत्तीसगढ़
6-अजीम फरीद निवासी रायगंज, कोतवाली गाजीपुर
7-शादाब निवासी टाउनहाल निगाही बेग कोतवाली गाजीपुर
8-प्रवीण वर्मा निवासी दयालवन मधुबन रोड, बिलासपुर छत्तीसगढ़
9-विजय निषाद निवासी बालोद छत्तीसगढ़
10-राहुल कामले निवासी गांधी चौक सिटी, बिलासपुर छत्तीसगढ़
11-मो.समीर निवासी गोपीगंज बस स्टैंड, गोसाईगंज भदोही
12-आशुतोष यादव निवासी रायगंज कोतवाली, गाजीपुर।

गिरफ्तार सदस्यों में यूपी के अलग-अलग जनपदों के साथ ही छत्तीसगढ़ के भी युवक शामिल हैं।तीन वेबसाइटों से ठगी, छत्तीसगढ़ में सरगनापुलिस के मुताबिक इस गिरोह ने ठगी के लिए तीन वेबसाइट बना रखी थीं। इन्हीं पर लोगों को ऑनलाइन गेमिंग का झांसा देकर शिकार बनाया जाता था। प्रारंभिक पड़ताल में इस बात के संकेत मिले हैं कि देश के कई राज्यों में संचालित किया जा रहा यह पूरा खेल छत्तीसगढ़ से ऑपरेट किया जा रहा था। फिलहाल, उसके यूपी हैंडलर की तलाश में टीमें लगी हैं।सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में उनसे जो जानकारी मिली, उसके आधार पर महाराजगंज व बिहार के गोपालगंज जनपद की पुलिस को भी इनपुट दिया गया। जहां कुल 28 लोग गिरफ्तार किए गए। गिरोह के कुछ अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं जिनकी तलाश में टीमें लगाई गई हैं। *-श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, डीसीपी यमुनानगर*

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।